चैत्र कृष्ण - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 233 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 21-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 विद्यार्थियों को चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों लिए प्रेरित किया जाए

6 मंगल ग्रह लाल क्यों है? वैज्ञानिकों ने किया खुलासा

7 चंदेरी शहर में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देंगी कृतिका कामरा

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान से गोपनीय जानकारी साझा करने के आरोप में बीईएल इंजीनियर गिरफ्तार

बेंगलूरु/भाषा। खुफिया एजेंसियों ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के एक इंजीनियर को पाकिस्तान में अपने आकाओं से संवेदनशील जानकारियां साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जिसमें संचार और रडार प्रणालियों से जुड़ी जानकारियां भी शामिल हैं। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। परमेश्वर ने संवाददाताओं को बताया कि बीईएल कर्मी ने महत्वपूर्ण फैसलों और यहां निर्मित उत्पादों के बारे में जानकारी साझा की थी। उन्होंने कहा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में दीपराज चंद्रा नामक 36 वर्षीय व्यक्ति वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। हमारे खुफिया अधिकारियों और सैन्य खुफिया अधिकारियों ने उसे पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में रहने के कारण हिरासत में लिया है... उसने अत्यधिक गोपनीय जानकारी साझा की थी।

तेलंगाना में '72वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता' आयोजित की जाएगी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि 72वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का आयोजन 10 मई से 31 मई तक तेलंगाना के विभिन्न सांस्कृतिक महत्व वाले स्थानों में किया जाएगा। इस आयोजन पर 54 करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान है। मंत्री ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि इस खर्च को तेलंगाना पर्यटन विभाग और मिस वर्ल्ड लिमिटेड साझा करेंगे। उन्होंने कहा, तेलंगाना की ओर से दिए जाने वाले 27 करोड़ रुपए मुख्य रूप से प्रायोजकों (स्पॉन्सरशिप) के माध्यम से आएंगे।

ईडी ने एसडीपीआई मामले में नए सिरे से छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक इकाई एसडीपीआई के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत बृहस्पतिवार को कई राज्यों में नए सिरे से छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु के मेट्टुपलायम, कोयंबटूर, अर्काट और वेल्लोर, राजस्थान के भीलवाड़ा और कोटा, केरल के कोट्टायम तथा पलक्कड़ में कई परिसरों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छापे मारे गए। संघीय जांच एजेंसी ने मामले में पहले दौर की तलाशी मार्च के पहले सप्ताह में की थी और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम के फैजी को गिरफ्तार किया था।

21-03-2025		22-03-2025
सूर्यास्त 6:30 बजे		सूर्योदय 6:22 बजे

BSE	NSE
76,348.06 (+899.02)	23,190.65 (+283.05)

सोना	चांदी
9,267 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	104,042 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लाओ ऐसा नेता

धर्म जाति अगड़ा-पिछड़ा,
अब उच्च दलित में बँटा वोट।
क्या यही स्वप्न था भारत का,
देखें हम जिसमें सदा खोट।
अपनी सत्ता के हित साधक,
चल रहे शकुनि बन कुटिल गोट।
लाओ कोई ऐसा नेता,
समदर्शी बन कर सके चोट।।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमें अगले 25 साल में विकसित भारत का निर्माण करना है और इसके लिए पहला कदम हमारे गांवों को विकसित बनाना है।

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को गुजरात के भरवाड़ समुदाय से प्राकृतिक खेती अपनाने और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पेड़ लगाने का आग्रह किया। उन्होंने मुख्य रूप से मवेशी पालन करने वाले भरवाड़ समुदाय से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद के धोलेरा तालुका के बावलियाली धाम में एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हुए समुदाय के सदस्यों को डिजिटल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''हमने अपनी धरती माता को बहुत पीड़ा दी है क्योंकि हम लगातार पानी खींचते रहे और फिर उसमें जहरीले रसायन डालते रहे। अब, इसे फिर से स्वस्थ बनाना हमारी जिम्मेदारी है और गाय का गोबर धरती को पुनर्जीवित करने में मदद कर सकता है। मैं आप सभी से प्राकृतिक खेती अपनाने और धरती माता की सेवा करने का आग्रह करता हूं।''

मोदी ने समुदाय से अपील की कि वे अपने मवेशियों को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए केंद्र द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाने वाले टीके अवश्य लगवाएं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमें अगले 25 साल में विकसित भारत का निर्माण करना है और इसके लिए मुझे आपके समुदाय का समर्थन चाहिए। पहला कदम हमारे गांवों को विकसित बनाना है।''

उन्होंने समुदाय के सदस्यों से कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड जो पहले केवल किसानों को जारी किया जाता था, अब इसका लाभ पशुपालकों को भी दिया है, जिससे वे कम ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम देशी गोवंश के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन भी चलाते हैं। आपको इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। मैं आपसे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पेड़ लगाने का भी आग्रह करता हूं।'' उन्होंने बावलियाली धाम को आस्था, संस्कृति और धर्म का स्थान बताया।

मोदी ने समुदाय से अपील की कि वे ''परिस्थितियों के अनुसार बदलाव लाएं और अपनी बेटियों को कंप्यूटर चलाना सिखाएं।''

सेपक टकरा विश्वकप 2025ः

राष्ट्रगान गाए जाने की घोषणा के बीच मंच से उतरे नीतीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बृहस्पतिवार को पटना में आयोजित सेपक टकरा विश्वकप- 2025 के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रगान गए जाने की घोषणा के बीच अचानक मंच से उतर गए और प्रतिभागियों से मिलने के बाद शुरू हुए राष्ट्रगान में शामिल हुए। पटना के पटलीपुत्र खेल परिसर में आयोजित सेपक टकरा विश्वकप 2025 में 300 खिलाड़ियों और 20 देशों के सहायक कर्मचारी हिस्सा ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में अपने अन्य कैबिनेट सहयोगियों और अधिकारियों के साथ शामिल हुए। उनके मंच पर बैठने के बाद बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण ने राष्ट्रगान के लिए सबसे खड़े होने का आग्रह किया, तभी अचानक मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी से उठकर मंच के नीचे उतरे और प्रतिभागियों से मिलने लगे।

इस अवसर पर 74 वर्षीय कुमार ने प्रतिभागियों को हाथ जोड़कर 'नमस्ते' किया और हवा में हाथ लहरा कर उनका अभिवादन किया।

सेनाओं की मारक क्षमता बढाने के लिए

54 हजार करोड़ के रक्षा सौदे मंजूर

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने तीनों सेनाओं की मारक क्षमता बढाने के लिए 54 हजार करोड़ रूपये के रक्षा सौदों को आज मंजूरी दे दी जिसमें सेना के टैंकों के लिए अधिक शक्तिशाली ईंजन, नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो और वायु सेना के लिए निगरानी प्रणाली अवाक्स की खरीद शामिल है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद की गुरूवार को यहां हुई बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। परिषद ने बैठक में 54,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के आठ पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। इन सौदों में सेना के लिए टी-90 टैंकों के मौजूदा 1000 एचपी इंजन को अपग्रेड करने के लिए 1350 एचपी इंजन की खरीद के लिए स्वीकृति प्रदान की गयी है। इससे इन टैंकों की युद्धक्षेत्र में गतिशीलता बढेगी, खासकर अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में, क्योंकि इससे शक्ति-भार अनुपात में वृद्धि होगी। भारतीय नौसेना के लिए, वरुणास्त्र टॉरपीडो (लड़ाकू) की खरीद के लिए भी मंजूरी दी गयी है। वरुणास्त्र टॉरपीडो नौसेना की विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला द्वारा विकसित स्वदेशी रूप से विकसित जहाज से छोड़ा जाने वाला पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो है।

इजराइल ने गाजा में कई जगहों पर किए हमले, 85 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि बृहस्पतिवार रात से इजराइल के हमलों में कम से कम 85 लोग मारे गए हैं, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। मंत्रालय के रिकॉर्ड प्रभारी अधिकारी जहीर अल-वहीदी ने कहा कि मंगलवार सुबह अचानक बमबारी कर इजराइल द्वारा युद्ध विराम समाप्त करने के बाद से अब तक कुल 592 लोग मारे गए हैं।

इस बीच, इजराइली सेना ने कहा कि गाजा पट्टी से मिसाइलें दागे जाने के बाद मध्य इजराइल में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। ऐसा प्रतीत होता है कि मंगलवार को इजराइल की बमबारी के बाद से गाजा से यह पहला रॉकेट हमला था।

इजरायली सेना ने हूती मिसाइल हमले को रोका

यरूशलम/एजेन्सी। इजरायली सेना ने यमन के आतंकवादियों की ओर से दागी गई मिसाइल को देश में घुसने से पहले रोक दिया, जिससे गुरुवार को तेल अवीव सहित मध्य और दक्षिणी इजरायल में सायरन बजने लगे। इजरायली रक्षा बलों ने एक बयान में कहा कि वायु सेना ने मिसाइल को इजरायली क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले ही रोक दिया और प्रोटोकॉल के अनुसार सायरन बजाए गए। यमन में हूती बलों ने इजरायल पर अपने हमले फिर से शुरू कर दिए, जिससे गाजा में दो महीने का युद्धविराम समाप्त हो गया और एन्क्लेव पर हवाई हमलों में 400 से अधिक लोग मारे गए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन संस्कृति को रौंदने की कोशिश करने वालों आक्रांताओं का जश्न मनाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा

आक्रांताओं का महिमामंडन करना देशद्रोह है, 'नया' भारत इसे स्वीकार नहीं करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहराइच/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की विरासत पर हमला करने वाले और देश के लोगों का अपमान करने वाले आक्रांताओं का महिमामंडन करना देशद्रोह के बराबर है। उन्होंने कहा कि 'नया भारत' इसे स्वीकार नहीं कर सकता।

मुगल शासक औरंगजेब से जुड़े विवादों के बीच आदित्यनाथ ने बहराइच में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सनातन संस्कृति को रौंदने की कोशिश करने वालों आक्रांताओं का जश्न मनाने के खिलाफ चेतावनी दी।

आदित्यनाथ ने कहा, आक्रांताओं का महिमामंडन करने का मतलब देशद्रोह की जड़ों को मजबूत करना है। नया भारत उन लोगों को कभी स्वीकार नहीं करेगा जो हमारे महान पूर्वजों का अपमान करते हैं और उन लोगों की प्रशंसा करते हैं जिन्होंने हमारी सभ्यता पर हमला किया, हमारी महिलाओं का अपमान किया और हमारी आस्था पर प्रहार किया। उन्होंने कहा, जब भारत की सनातन संस्कृति का गुणगान दुनिया कर रही है तब भारत के महापुरुषों के प्रति सम्मान का भाव, हर नागरिक का दायित्व होना चाहिए। किसी भी आक्रांता का महिमामंडन नहीं करना चाहिए।

उनकी टिप्पणी हाल ही में संपन्न प्रयागराज महाकुंभ-2025 के बारे में बोलते हुए आई, जिसे उन्होंने अब तक का सबसे बड़ा मानव समागम बताया। उन्होंने संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का हवाला दिया, जिसमें मोदी ने इस आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की प्रशंसा की।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 30 नक्सली ढेर, एक जवान की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजापुर/कांकेर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 30 नक्सली मारे गए। इस दौरान एक जवान की भी मृत्यु हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र अंतर्गत बीजापुर और दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में तथा कांकेर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 30 नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि बीजापुर जिले में 26 नक्सली मारे गए और एक जवान की भी मृत्यु हो गई, जबकि कांकेर जिले में चार अन्य नक्सली मारे गए।

अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर और दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में गंगालूर थाने से नक्सल रोधी अभियान पर सुरक्षाबलों के एक संयुक्त दल को रवाना किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान आज सुबह सात बजे से नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हो गई। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के साथ 26 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि इस घटना में बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के एक जवान की भी मृत्यु हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में मुठभेड़ और खोजी अभियान जारी है।

कांकेर जिला पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण एलेसेला ने बताया कि आज सुबह कांकेर और नारायणपुर जिले की सीमा पर जंगल में एक और मुठभेड़ तब हुई जब डीआरजी और सीमा सुरक्षा बल का एक संयुक्त दल नक्सल

अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सल- मुक्त होने वाला है : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की ओर से 22 नक्सलियों को मार गिराए जाने को 'बड़ी सफलता' करार दिया और दावा किया कि अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सल-मुक्त होने वाला है। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच बृहस्पतिवार सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 18 नक्सलियों को और कांकेर जिले में चार नक्सलियों को मार गिराया। इन घटनाओं में एक जवान की जान भी चली गई। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नक्सलमुक्त भारत अभियान' की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में हमारे सुरक्षा बलों के 2 अलग-अलग ऑपरेशन्स में 22 नक्सली मारे गए।

सट्टेबाजी ऐप के लिए प्रचार को लेकर

अभिनेता दग्गुबाती, प्रकाश राज समेत अन्य पर मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। सट्टेबाजी ऐप का कथित तौर पर प्रचार करने को लेकर तेलुगु फिल्म अभिनेता राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा समेत छह अभिनेताओं और 19 सोशल मीडिया इंफ्लुएंसरों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया है। मियांपुर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू, प्रणीता और निधि अग्रवाल के खिलाफ भी यह मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इन कलाकारों और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने 'पॉप-अप' विज्ञापनों और अन्य माध्यमों से सट्टेबाजी ऐप का प्रचार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में 19 मार्च को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), जुआ अधिनियम और आईटी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि जब वह हाल ही में अपनी कॉलोनी के युवाओं से बातचीत कर रहा था, तो उसने पाया कि उनमें से ज्यादातर युवा सट्टेबाजी, जुआ और ऑनलाइन कैसीनो ऐप में निवेश के बारे में चर्चा कर रहे थे, जिनका प्रचार सोशल मीडिया पर फिल्मी हस्तियां और (सोशल मीडिया) इंफ्लुएंसर द्वारा किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह खुद भी इन ऐप से प्रभावित हुआ था और एक सट्टेबाजी/जुआ/कैसीनो वेबसाइट में पैसे लगाने वाला था, लेकिन उसके परिवार ने उसे ऐसा करने से रोक दिया।

बाबासाहेब का सपना आज भी अधूरा, उनकी लड़ाई हम पूरी ताकत से लड़ेंगे : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का सपना आज भी अधूरा है और बराबरी तथा सम्मान उनकी लड़ाई को कांग्रेस पूरी ताकत से लड़ेगी। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व प्रमुख और शिक्षाविद् सुखदेव थोराट के साथ अंबेडकर के 1927 के 'महाड़ सत्याग्रह' के बारे में बातचीत का एक वीडियो अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किया।

राहुल गांधी ने पोस्ट किया, 98 साल पहले शुरू हुई हिस्सेदारी की लड़ाई जारी है। 20 मार्च, 1927 को बाबासाहेब अंबेडकर ने महाड़ सत्याग्रह के ज़रिए जातिगत भेदभाव को सीधी चुनौती दी थी। यह केवल पानी के अधिकार की नहीं, बल्कि बराबरी और सम्मान की लड़ाई थी। उन्होंने कहा, जाने-माने शिक्षाविद, अर्थशास्त्री, दलित विषयों के जानकार और तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण पर बनी अध्ययन समिति के सदस्य प्रोफेसर थोराट से इस सत्याग्रह के महत्व पर चर्चा की। इस दौरान दलितों की शासन, शिक्षा, नौकरशाही और संसाधनों तक पहुंच के लिए अब भी जारी संघर्ष पर भी हमने विस्तार से बातचीत की।

गांधी ने कहा कि जातिगत जनगणना इसी असमानता की सच्चाई को सामने लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जबकि इसके विरोधी इस सच्चाई को बाहर आने देना नहीं चाहते हैं।

भारत के साथ काफी अच्छे संबंध, समस्या सिर्फ उसका ऊंचा शुल्क : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ 'बहुत अच्छे संबंध' होने के बावजूद 'एकमात्र समस्या' यह है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक सीमा शुल्क लगाने वाले देशों में से एक है।

इसके साथ ही ट्रंप ने दो अप्रैल से भारत से होने वाले आयात पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने की अपनी धमकी भी दोहराई।

ट्रंप ने अमेरिकी समाचार वेबसाइट 'ब्रेइटबार्ट न्यूज' के साथ साक्षात्कार में भारत के साथ अमेरिका के संबंधों पर चर्चा के दौरान यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ पिछले महीने हुई शिखर वार्ता के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, भारत के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, लेकिन भारत के साथ मेरी एकमात्र समस्या यह है कि वह दुनिया में सबसे अधिक शुल्क लगाने वाले देशों में से एक हैं।

इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मेरा मानना है कि वे संभवतः उन शुल्कों में काफी हद तक कटौती करने जा रहे हैं। हालांकि, दो अप्रैल को हम उनसे वही शुल्क वसूलेंगे जो वे हमसे वसूलते हैं।

ट्रंप ने भारत की तरफ से अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्क की बार-बार आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि भारत बहुत अधिक शुल्क लगाने वाला देश है। वह अतीत में भी भारत को 'टैरिफ किंग' करार दे चुके हैं।

पिछले महीने व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान भी ट्रंप ने कहा था कि भारत सीमा शुल्क के मामले में बहुत सख्त रहा है। ट्रंप ने मार्च की शुरुआत में कहा था कि भारत अपने शुल्क में ''काफी कटौती'' करने पर सहमत हो गया है।

संयुक्त अरब अमीरात में 25 भारतीयों को मौत की सजा, फैसले पर अभी अमल नहीं: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को संसद को बताया कि संयुक्त अरब अमीरात में मौत की सजा पाए भारतीय नागरिकों की संख्या 25 है, लेकिन अभी तक इस फैसले पर अमल नहीं हुआ है।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या कई भारतीय विदेशों में वर्षों से जेलों में बंद हैं? साथ ही उन भारतीयों का विवरण भी पूछा गया है जो विदेशों में मौत की सजा का इंतजार कर रहे हैं और उनकी जान बचाने के लिए भारत सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं। सिंह ने कहा, मंत्रालय के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वर्तमान में विदेशी जेलों में विचाराधीन कैदियों सहित भारतीय कैदियों की संख्या 10,152 है। मंत्री ने कहा कि सरकार विदेशी जेलों में बंद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को उच्च प्राथमिकता देती है।

सिंह ने आठ देशों से संबंधित सारणीबद्ध आंकड़ा साझा किया, तथा उन भारतीय नागरिकों की संख्या भी बताई जिन्हें मृत्युदंड दिया गया है, लेकिन निर्णय अभी तक लागू नहीं हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, यह संयुक्त अरब अमीरात में 25 भारतीय, सऊदी अरब में 11 भारतीय, मलेशिया में छह भारतीय, कुवैत में तीन भारतीय तथा इंडोनेशिया, कतर, अमेरिका और यमन में एक-एक भारतीय को मौत की सजा सुनाई गई है।

'गेट्स फाउंडेशन महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर राज्य को मलेरिया मुक्त बनाएगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि गेट्स फाउंडेशन महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर राज्य को मलेरिया मुक्त बनाएगा। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स और मेलिंडा फ्रेंच गेट्स द्वारा स्थापित यह संगठन वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य में सुधार, गरीबी को कम करने और शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि फडणवीस ने दक्षिण मुंबई स्थित सह्याद्री अतिथि गृह में बिल गेट्स से मुलाकात की और दोनों ने स्वास्थ्य, कृषि एवं बुनियादी ढांचा सुविधाओं के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस्तेमाल पर चर्चा की। गेट्स इस समय भारत की यात्रा पर हैं। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। फडणवीस ने 'एक्स' पर लिखा, हमने विभिन्न विषयों पर बहुत अच्छी चर्चा की, जिसमें युवाओं, किसानों, गरीबों और महिलाओं के लिए महाराष्ट्र की पहल और योजनाएं शामिल हैं, जैसे लखपति दीदी और लाडकी बहिन योजना, जिसने आर्थिक उत्थान में बहुत योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा कि उन्होंने गेट्स के साथ राज्य में तेजी से बदलती नवीनतम प्रौद्योगिकियों और एआई-संचालित पहल को अपनाने पर भी चर्चा की। फडणवीस ने कहा, बिल गेट्स ने बताया कि महाराष्ट्र को मलेरिया मुक्त बनाने के लिए गेट्स फाउंडेशन हमारे साथ साझेदारी करेगा। हमने स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी ढांचे में एआई-संचालित प्रगति के साथ-साथ डेंगू नियंत्रण और नवाचार शहर साझेदारी पर भी चर्चा की। फडणवीस ने कहा कि उन्होंने बिल गेट्स को बताया कि सरकार के दृष्टिकोण में हर क्षेत्र में डिजिटलीकरण और युवाओं को भविष्य के लिए कौशल से सशक्त बनाने को लेकर माइक्रोसॉफ्ट की मदद से एक ''कौशल विश्वविद्यालय'' की स्थापना शामिल है। उन्होंने कहा, एक विशेष पहल एआई में 10,000 महिलाओं को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिससे तकनीकी क्रांति में समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र डिजिटल शासन और सेवा के अधिकार के लिए एक मॉडल बनने को लेकर प्रतिबद्ध है।

भारतीय नवाचार कई वैश्विक चुनौतियों को हल करने में मदद कर सकता है : गेट्स फाउंडेशन के सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क सुजमैन ने कहा कि भारत 'ग्लोबल साउथ' के लिए व्यापक एजेंडा तैयार करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय नवाचार विकासशील देशों में वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने जैसी विभिन्न वैश्विक चुनौतियों को हल करने में मदद कर सकता है।

सुजमैन ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ विशेष साक्षात्कार में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भारत की सराहना की, जो देश की जी-20 अध्यक्षता का केंद्रबिंदु रहा। डीपीआई एजेंडे का उद्देश्य सुरक्षित, सुलभ और अंतर-संचालनीय डिजिटल प्रणालियां विकसित कर अधिक संबद्ध और समावेशी समाज का निर्माण करना है। सुजमैन गेट्स फाउंडेशन के बोर्ड सदस्यों के साथ इस समय भारत के दौरे पर हैं। गेट्स फाउंडेशन के सीईओ ने भारत को एक गतिशील राष्ट्र बताया, जहां मानव पूंजी का लगातार विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा, यह एक सुखद बिंदु है, जहां हम मानते हैं कि हमारे निवेश से आने वाले वर्षों में और भी अधिक प्रगति करने में मदद मिल सकती है। सुजमैन ने कहा, भारत में हम जिस तरह की साझेदारियां देख रहे हैं, चाहे जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में या फिर कृषि, स्वास्थ्य सेवा या शिक्षा के क्षेत्र में, वे अविश्वसनीय रूप से रोमांचक हैं। उन्होंने कहा, मैं नवाचार एजेंडा शब्द का इस्तेमाल करता रहता हूं, क्योंकि भविष्य में वैश्विक प्रगति के लिए यही सबसे अहम होगा। हालांकि, प्रगति किफायती भी होनी चाहिए। सार्वजनिक वस्तुओं के लिए उपलब्ध वैश्विक संसाधनों की मात्रा सीमित है। सुजमैन ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि गेट्स फाउंडेशन किस तरह भारत में अपने कामकाज का विस्तार करने के लिए उत्साहित है, क्योंकि देश स्वास्थ्य और नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि भारत इस बात को लेकर चिंतित है कि उसकी विकास दर उतनी ऊंची नहीं है, जितनी होनी चाहिए, लेकिन ज्यादातर अन्य देश भारत जितनी विकास दर हासिल करना पसंद करेंगे।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के व्यावसायिक अनुप्रयोगों को बढ़ाने की जरूरत: सोमनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र महत्वपूर्ण बदलाव के मुहाने पर है लेकिन आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिक अनुप्रयोगों को बढ़ाने की जरूरत है।

सोमनाथ ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में इस बात पर प्रकाश डाला कि यद्यपि भारत ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय प्रगति की है, फिर भी इसका अनुप्रयोग मुख्यतः सरकारी कार्यक्रमों तक ही सीमित रहा है। इसरो के पूर्व प्रमुख ने कहा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग सामाजिक और सरकारी कार्यक्रमों पर केंद्रित रहा है। अब इसे वाणिज्यिक क्षेत्र में लाना और इसका मुद्रीकरण करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत में अंतरिक्ष अनुप्रयोगों की पहुंच सीमित है तथा संभावित बाजार का केवल 10 प्रतिशत ही खोजा जा सका है।सोमनाथ ने कहा, भारत 145 करोड़ लोगों वाला एक विशाल देश है, लेकिन अनुप्रयोग की पहुंच बहुत कम है। हम केवल सीमित क्षेत्र में ही सेवा दे रहे हैं। उन्होंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को व्यवहार्य व्यावसायिक अवसरों में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया तथा मत्स्य पालन जैसे उदाहरण दिए, जहां उपग्रह डेटा पारंपरिक प्रथाओं में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। सोमनाथ ने यातायात प्रबंधन व रेलवे निगरानी जैसे क्षेत्रों में उपग्रह डेटा की अप्रयुक्त क्षमता पर भी जोर दिया।

रोजगार सृजन के मोर्चे पर सरकार में गंभीरता की कमी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि रोजगार सृजन के मोर्चे पर सरकार में गंभीरता की कमी है।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने राज्यसभा में पूछे गए एक प्रश्न पर सरकार के लिखित उत्तर का उल्लेख करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, शहरी बेरोजगारी दूर करने के लिए रोजगार सृजन के मोर्चे पर सरकारी गंभीरता की कमी दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन और राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) जैसी प्रमुख योजनाओं के लिए धन में भारी कटौती से स्पष्ट है। उन्होंने दावा किया कि दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के लिए आवंटन 2020-21 में 795 करोड़ रुपए था जिसे घटाकर 2024-25 में 300 करोड़ रुपए कर दिया गया है, यानी 62.26 प्रतिशत की कटौती की गई। खेड़ा ने दावा किया कि इसी तरह, एनसीएस योजना के लिए वित्त पोषण 2020-21 में 79.39 करोड़ रुपए से घटकर 2024-25 में 58 करोड़ रुपए हो गया है, जो 26.94 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। उन्होंने कहा, भाजपा अपनी योजनाओं और नीतियों को मास्टरस्ट्रोक कह कर लोगों को बहला सकती है, लेकिन हकीकत दस्तावेजों में छिपी हैकुछ ऐसा जिसके बारे में हर भारतीय को मालूम होना चाहिए।

अमेरिका से अब तक 588 पुरावशेष वापस लाए गए : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि अमेरिका से अब तक 588 पुरावशेष वापस लाए गए हैं जिनमें से 297 पुरावशेष वर्ष 2024 में प्राप्त हुए।

संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय पुरावशेषों की तस्करी को रोकने के लिए अमेरिका के साथ सांस्कृतिक संपदा करार (सीपीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि करार के निवारक प्रकृति के होने के कारण ऐसी कोई समय समयसीमा या संख्या निर्धारित नहीं की गई है। शेखावत ने कहा, अभी तक 588 पुरावशेष अमेरिका से वापस लाए गए हैं जिनमें से 297 पुरावशेष वर्ष 2024 में प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक संपदा करार में तकनीकी सहायता, अवैध व्यापार और सांस्कृतिक संपदा के लूट के मामलों में सहयोग और आपसी समझ को बढ़ावा देने का प्रावधान है।

शेखावत ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, कुंभ मेला एक महत्वपूर्ण हिंदू तीर्थ उत्सव है और विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जहां लाखों भक्त पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए एकत्र होते हैं। इस आयोजन के दौरान, अनेक प्राचीन संप्रदाय, आध्यात्मिक संगठन और धर्म गुरु एकजुट होते हैं, जो अकसर ही सदियों से पीढ़ी दर पीढ़ी चले आ रहे रीति-रिवाजों और प्रथाओं को प्रदर्शित करते हैं।

विज्ञान, शिक्षा के क्षेत्र में भारत-जर्मनी साझेदारी पहले से कहीं अधिक मजबूत : एकरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने कहा है कि विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में भारत-जर्मनी साझेदारी ''पहले से कहीं अधिक मजबूत'' है तथा यह द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला है।

बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार जर्मनी के अग्रणी विश्वविद्यालयों के प्रमुख और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि संस्थागत साझेदारी बढ़ाने और दोनों देशों के बीच नए शैक्षणिक सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए इस महीने हैदराबाद और नई दिल्ली का दौरा कर रहे हैं। ये संस्थान भारतीय विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के उच्च स्तरीय दौरों तथा भारत में डीएएडी के क्षेत्रीय कार्यालय के जयंती समारोहों में शामिल होंगे। डीएएडी - जर्मन अकादमिक एक्सचेंज सर्विस - इस वर्ष अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। डीएएडी क्षेत्रीय कार्यालय ने बयान में कहा कि भारत-जर्मन फोरम: अनुसंधान, नवाचार और हस्तांतरण व डीएएडी जयंती समारोह नई दिल्ली में जर्मन राजदूत की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। बयान में एकरमैन के हवाले से कहा गया है, विज्ञान व शिक्षा के क्षेत्र में भारत-जर्मनी साझेदारी पहले से मजबूत है। यह हमारे द्विपक्षीय संबंधों के निर्माण खंडों में से एक है।

मोदी की जून 2023 में हुई अमेरिकी यात्रा पर 22 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुए: सरकार

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जून 2023 में हुई अमेरिका यात्रा पर 22 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुए थे। विदेश राज्यमंत्री पवित्र मार्गेरिटा ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। खरगे ने सरकार से पूछा था कि पिछले तीन वर्षों में प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं की व्यवस्था पर भारतीय दूतावासों द्वारा कुल कितना खर्च किया गया है। उन्होंने होटल व्यवस्था, सामुदायिक स्वागत, परिवहन व्यवस्था और अन्य विविध व्यय जैसे प्रमुख मदों के अंतर्गत किए गए यात्रा-वार व्यय का विवरण भी मांगा। इसके जवाब में मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री द्वारा 2022, 2023 और 2024 में किए गए विदेश यात्राओं पर देश-वार खर्च के आंकड़ों को सारणीबद्ध रूप में साझा किया। उनकी इन यात्राओं में आधिकारिक, उनके साथ जाने वाले सुरक्षा और मीडिया प्रतिनिधिमंडल शामिल थे। आंकड़ों के अनुसार, जून 2023 में प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा पर 22,89,68,509 रुपए का खर्च हुआ था।

एलआईसी ने राहुल गांधी के दावों का किया खंडन, पॉलिसीधारक और एजेंट के प्रति प्रतिबद्ध हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दावों का खंडन करते हुए कहा कि वह अपने पॉलिसीधारकों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने और अपने सभी एजेंट के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

एलआईसी के एजेंट के एक प्रतिनिधिमंडल के राहुल गांधी से मुलाकात करने और भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) तथा एलआईसी द्वारा नियमों में हाल ही में किए गए बदलावों का मुद्दा उठाने के एक दिन बाद एलआईसी की ओर से यह स्पष्टीकरण आया है। एलआईसी एजेंट ने विपक्ष के नेता से कहा था इरडा तथा एलआईसी द्वारा किए गए नियमों में बदलाव से गरीब तथा वंचित समुदायों के लिए बीमा कम किफायती हो गया है तथा एजेंट की स्थिति कमजोर हो गई है। एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ मोहंती ने बयान में कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि एलआईसी ने ऐसे उत्पाद पेश किए हैं जो इरडा द्वारा निर्धारित नए उत्पाद विनियमों के अनुरूप हैं, जिसमें पॉलिसीधारकों के हितों को सर्वोपरि रखा गया है। ये बदलाव एक अक्टूबर, 2024 से प्रभावी हुए हैं। उन्होंने कहा कि एलआईसी ने लगातार ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्गों तक पहुंचने पर ध्यान केंद्रित किया है क्योंकि वह जीवन बीमा के दायरे को व्यापक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोहंती ने कहा, हमारा उद्देश्य प्रत्येक बीमा योग्य व्यक्ति को किफायती लागत पर वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न ग्राहक वर्गों तथा समाज के विभिन्न वर्गों की जरूरतों को पूरा करने वाले विविध खंड के साथ एलआईसी सभी नियामकीय जरूरतों का पूरी तरह से अनुपालन करती है।

अंतरराष्ट्रीय तेल खरीद पर भारत के फैसले में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि : केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने बृहस्पतिवार को संसद को बताया कि अंतरराष्ट्रीय तेल खरीद पर भारत का फैसला विभिन्न कारकों पर आधारित है, जिसमें देश के राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर हैं।

राज्यसभा में विदेश मंत्रालय से पूछा गया कि क्या यह सच है कि अमेरिका ने भारत को रूस से तेल नहीं लेने के लिए कहा है और इसके लिए समयसीमा तय की है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने अपने लिखित जवाब में कहा कि मंत्रालय को अमेरिका द्वारा 14 जनवरी को ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित 400 से अधिक रूसी संस्थाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों के बारे में सूचित किया गया था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय या ओएफएसी द्वारा घोषित प्रतिबंध के दायरे में तेल की बड़ी कंपनियों और उनकी सहायक कंपनियों, एलएनजी टर्मिनलों, बीमा कंपनियों, तेल व्यापारियों/दलालों, तेल जहाजों और तेल क्षेत्र सेवाओं के प्रदाताओं को भी लाया गया है।

मतदाता सूची अद्यतन प्रक्रिया मजबूत करेंगे, जन्म-मृत्यु पंजीकरण निकाय से समन्वय रहेगा : निर्वाचन आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मतदाता सूची की शुचिता पर छिड़ी बहस के बीच निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को कहा कि जन्म और मृत्यु पंजीकरण निकायों के साथ निकट समन्वय स्थापित करते हुए मतदाता सूची की नियमित अद्यतन प्रक्रिया को मजबूत किया जाएगा।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और निर्वाचन आयोग के विशेषज्ञों के बीच मतदाता सूची को आधार से जोड़ने पर तकनीकी परामर्श जल्द ही शुरू होगा। आयोग ने देश भर में मतदाता क्रमांक के दोहराव को हटाने और तीन महीने के भीतर इस दशकों पुराने मुद्दे को समाप्त करने का संकल्प लिया है। जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में मतदाता सूची के नियमित अद्यतनीकरण को मजबूत किया जाएगा। राजनीतिक दलों के साथ निर्वाचन आयोग की बातचीत में यह स्पष्ट किया गया कि मसौदा मतदाता सूची में कोई भी समावेशन या विलोपन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 में सभी राजनीतिक दलों के लिए उपलब्ध दावों और आपत्तियों को दर्ज करने के लिए प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत अपील की प्रक्रिया द्वारा संचालित होता है।

बुजुर्ग महिला ने 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी में गंवाए 20 करोड़ रुपए, तीन लोग गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। दक्षिण मुंबई में रहने वाली 86 वर्षीय एक महिला ने 'डिजिटल गिरफ्तारी' धोखाधड़ी के दौरान दो महीने में 20 करोड़ रुपए से अधिक गंवा दिए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जालसाजों में से एक ने महिला से पैसे ऐंठने के लिए खुद को 'सीबीआई अधिकारी' बताया था। पुलिस के अनुसार, 26 दिसंबर 2024 से इस साल तीन मार्च के बीच अंजाम दिए गए इस अपराध के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने पीड़िता को दो महीने तक घर पर ही रहने को मजबूर किया और हर तीन घंटे में फोन कर प्रतिदिन उसकी लोकेशन जानते रहे। उन्होंने बताया कि साइबर पुलिस ने उन बैंक खातों की पहचान करके महिला के 77 लाख रुपए के निकालने पर रोक लगाई, जिनमें धन हस्तांतरित किया गया था। इस महीने की शुरुआत में महिला द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत के अनुसार, उसे एक व्यक्ति का फोन आया जिसने खुद के सीबीआई अधिकारी होने का दावा किया और उसे बताया कि उसके 'आधार' कार्ड के जरिये एक बैंक खाता खोला गया है और उसका इस्तेमाल धनशोधन के लिए किया जा रहा है।

दिशा सालियान मामले पर आदित्य ठाकरे

मुझे बदनाम करने की कोशिश, आरोपों का जवाब अदालत में दूंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने बृहस्पतिवार को कहा कि जून 2020 में दिशा सालियान की आकस्मिक मौत के मामले में उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है और वह अदालत के सामने अपना पक्ष रखेंगे।

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर रही दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने बुधवार को कहा कि उन्होंने बंबई उच्च न्यायालय का रुख कर उन रहस्यमय परिस्थितियों की नए सिरे से जांच की मांग की है, जिनमें जून 2020 में उनकी बेटी मृत पाई गई थी। उन्होंने कहा कि याचिका में आदित्य ठाकरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आग्रह किया गया है।

सतीश सालियान ने संवाददाताओं को बताया कि याचिका में यह भी कहा गया है कि उनकी बेटी के साथ बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई तथा बाद में कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों को बचाने के लिए राजनीतिक रूप से साजिश रची गई।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ठाकरे ने यहां कहा, पिछले पांच साल से मेरी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। हम अदालत में अपना पक्ष रखेंगे। हम अदालत में अपना जवाब (आरोपों का) देंगे।

दिशा सालियान की 8 जून, 2020 को उपनगरीय मलाड में एक आवासीय इमारत की 14वीं मंजिल से कथित तौर पर गिरने से मौत हो गई थी।

पुलिस ने तब दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया था। छह दिन बाद, बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी।

दिशा सालियान के पिता ने जिनके नाम लिए हैं, क्या उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा : भाजपा विधायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले 'महायुति' गठबंधन के विधायकों ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र विधानसभा में दिशा सालियान की मौत का मुद्दा उठाया और जानना चाहा कि उसके पिता ने जिनके नाम लिए हैं, क्या उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। सालियान के पिता ने मामले में उच्च न्यायालय का रुख किया है।

भाजपा विधायक अमीत साटम ने आज विधानसभा में यह मुद्दा उठाया। इससे एक दिन पहले ही सतीश सालियान ने अपनी बेटी की मौत के मामले की नए सिरे से जांच की मांग की थी।

साटम ने कहा कि बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान की आठ जून, 2020 को मृत्यु हो गई या उनकी हत्या की गई। उन्होंने कहा, पुलिस ने मौत को आत्महत्या करार दिया है, और आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई। दिसंबर 2022 में एक एसआईटी का गठन किया गया था, लेकिन अभी तक कोई रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। लेकिन सोशल मीडिया इस बारे में अटकलों से भरा है कि सालियान की मौत के समय क्या कोई पार्टी चल रही थी, क्या उसे मारा गया था।

साटम ने कहा, सालियान के पिता ने मीडिया को बताया है कि उन्हें संदेह है कि उनकी बेटी का सामूहिक बलात्कार कर हत्या कर दी गई। उन्होंने अदालत में एक याचिका दायर की है। पिछली एमवीए सरकार ने मामले को दबा दिया। तत्कालीन महापौर ने उनसे (सतीश सालियान) मुलाकात की, उन्हें गुमराह किया और कुछ न कहने के लिए उन पर दबाव डाला। उन्होंने (सतीश सालियान) कहा है कि पिछले एमवीए शासन के एक मंत्री की (मामले में) संलिप्तता थी। यह एक गंभीर आरोप है।

सतीश सालियान ने बुधवार को कहा था कि उन्होंने जून 2020 में रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई अपनी बेटी की मौत की नए सिरे से जांच कराने के लिए बंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सतीश ने कहा कि याचिका में उच्च न्यायालय से शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

मंत्री सतीश जारकीहोली ने कैबिनेट सहयोगी को 'हनी ट्रैप' में फंसाने के प्रयास का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि राज्य के एक वरिष्ठ मंत्री पर ''हनी ट्रैप'' (मोहपाश में फंसाना) के दो असफल प्रयास किये गये और मामले की पुलिस जांच की मांग की। जारकीहोली ने एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, ''... (एक मंत्री पर हनी ट्रैप के) दो बार प्रयास हुए, लेकिन ये सफल नहीं हुए। यह कर्नाटक में हनी ट्रैप' की पहली घटना नहीं है।'' घटना की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति में इस तरह की चाल नहीं चलनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए ऐसी स्थितियों का फायदा उठाते हैं और इसे रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने संबंधित मंत्री से शिकायत दर्ज कराने को कहा है, उसके बाद ही पुलिस कार्रवाई कर सकती है और जांच शुरू कर सकती है।

इस बीच कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि वह राज्य में ''हनी ट्रैप'' के मामलों की उच्च स्तरीय जांच का आदेश देंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी प्रवृत्तियों को समाप्त करने की आवश्यकता है। गृह मंत्री ने विधानसभा में कहा, अगर हमें अपने सदस्यों की गरिमा बचानी है तो हमें ऐसी घटनाओं पर रोक लगानी होगी। यह एक गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा, मैं इस मामले की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दूंगा। जारकीहोली ने इस बात पर जोर दिया कि इसके लिए जो

लोग जिम्मेदार हैं, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) से बात करेंगे... इस बारे में गृह मंत्री (परमेश्वर) से भी चर्चा कर चुके हैं। अगर कोई शिकायत है तो इससे जांच में मदद मिलेगी।''''हनी ट्रैप' के खिलाफ गैर-पक्षपातपूर्ण लड़ाई की आवश्यकता पर बल देते हुए जारकीहोली ने कहा कि सभी दलों के नेता इसके शिकार हुए हैं। उन्होंने कहा, ''पहले की सरकारों में भी 'हनी ट्रैप' के शिकार हुए थे, कुछ नाम सुने गए थे, अब हमारे लोगों (कांग्रेस) के नाम सुने गए हैं, यदि भविष्य में भी ऐसा हो तो आश्चर्य नहीं होगा। यह बंद होना चाहिए।''

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भी मामले में पुलिस शिकायत की मांग का समर्थन किया। उन्होंने मीडिया से कहा, पहले पुलिस थाने में शिकायत दी जाए, फिर उसकी जांच की जाएगी। भाजपा विधायक वी. सुनील कुमार ने बुधवार को विधानसभा में यह मुद्दा उठाया था और राज्य की कांग्रेस सरकार पर ''हनी-ट्रैप फैक्टरी'' चलाने का आरोप लगाया था और गृह विभाग से कार्रवाई की मांग की थी।

घाना की नागरिक से लगभग तीन किलोग्राम कोकीन जब्त की

बेंगलूरु। राजस्व खुफिया निदेशालय ने बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर घाना की एक नागरिक से तीन किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राजस्व खुफिया निदेशालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा, डीआरआई ने बेंगलूरु हवाई अड्डे पर घाना एक नागरिक से 3.186 किलोग्राम कोकीन बरामद कर उसे गिरफ्तार किया। हालांकि, इस संबंध में 18 मार्च को गिरफ्तार की गई घाना की महिला की पहचान का खुलासा नहीं किया गया। तीन मार्च को, डीआरआई ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से 12.56 करोड़ रुपये मूल्य की 14.2 किलोग्राम सोने की छड़ें जब्त की थीं।

'कावेरी आरती एक सरकारी कार्यक्रम है, राजनीतिक नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि सैंकी टैंक में कावेरी आरती कार्यक्रम एक सरकारी कार्यक्रम है, न कि राजनीतिक। उन्होंने कहा कि सरकार 22 मार्च को कावेरी आरती के साथ-साथ एक महीने तक चलने वाला जल संरक्षण अभियान भी शुरू करेगी। विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, सरकार ने जल संरक्षण अभियान के साथ-साथ सैंकी टैंक में कावेरी आरती आयोजित करने की योजना बनाई है। यह पूरी तरह से एक सरकारी कार्यक्रम है, लेकिन कुछ लोगों ने अदालत का रुख किया है। हम अपना मामला अदालत में

बेंगलूरु में गुरुवार को सदाशिवनगर स्थित सैंकी झील परिसर का दौरा उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया, जहां शुक्रवार को विश्व जल दिवस के अवसर पर कावेरी आरती आयोजित की जाएगी, और तैयारियों का निरीक्षण किया। इस मौके पर बीडब्ल्यूएसएसबी के अध्यक्ष राम प्रसाद मनोहर और अन्य उपस्थित थे।

रखेंगे। उन्होंने कहा, 22 मार्च को विश्व जल दिवस है और इसके परिणामस्वरूप हमने एक महीने तक चलने वाला जल संरक्षण अभियान शुरू करने का फैसला किया है। कई लोग पीने के पानी का इस्तेमाल कार धोने, पौधों और बगीचों में पानी देने के लिए कर रहे हैं। हम पानी का दुरुपयोग रोकने के लिए शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित करेंगे। हमने पहले ही घोषणा की थी कि केआरएस में कावेरी आरती की जाएगी। इसके तहत सैंकी झील में कावेरी आरती की जाएगी। हमने कई अन्य स्थानों का निरीक्षण करने के बाद सैंकी टैंक में कावेरी आरती आयोजित करने का फैसला किया। सैंकी टैंक में कन्नड़ राज्योत्सव और एक विधायक के जन्मदिन समारोह सहित कई सार्वजनिक कार्यक्रम हुए हैं। लेकिन कुछ स्थानीय भाजपा नेताओं ने इस संबंध में अदालत का रुख किया है, हम अदालत में अपना पक्ष रखेंगे। यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, मैं लोगों से इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील करता हूं। हमें जल संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है।

कर्नाटक विधान परिषद में ग्रेटर बेंगलूरु नगर निगम संशोधन विधेयक -2025 को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को विधान परिषद में विधेयक पेश करने के बाद यह बात कही कि बेंगलूरु शहर में निजी सम्पदाओं में सड़कें बनाई गई हैं। हमने उन सड़कों का भी विकास किया है। भले ही प्लॉट बनाए और वितरित किए गए हों, लेकिन भूमि मालिकों के नाम अभी भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हैं। इन भूमि अभिलेखों को अपडेट करने की आवश्यकता है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि निजी सम्पदाओं में सड़कों को सरकारी सड़क घोषित करने की आवश्यकता है।

बाद में उन्होंने कहा, कुछ ज़मीन मालिक अब विवाद याचिका दायर कर रहे हैं और कह रहे हैं कि हमने सिर्फ़ जगह आवंटित की है। हमने सड़क नहीं बनाई है। सड़कें हटाकर बेचने की कोशिश की जा रही है। अब वे दावा कर रहे हैं कि सरकार टीडीआर देगी। हम सड़क बनाकर उनके प्लॉट का मुआवज़ा कैसे दे सकते हैं? इसलिए यह संशोधन लाया गया है ताकि ये मुआवज़ा न दिया जा सके। उन्होंने कहा, फिलहाल यह अधिनियम बेंगलूरु शहर की सीमा में लागू किया गया है और भविष्य में इसे कस्बों और पंचायतों में भी लागू करना होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्य आयुक्त को कर लगाने का अधिकार था। इससे एकाकी निर्णय की ओर अग्रसर हुआ। यह संशोधन निगम को यह शक्ति देने तथा बैठकों में इस पर निर्णय लेने के लिए किया गया है। निगम को अवैध निर्माण पर अधिकतम सीमा लगाने की अनुमति नहीं थी। उन्होंने कहा, यह अवसर संशोधन के माध्यम से लाया गया है। चर्चा के दौरान बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, उदाहरण के लिए, किसी व्यक्ति ने सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में 30/40 का प्लॉट या 20,000 वर्ग फीट के कई प्लॉट रजिस्टर करवाए हैं। अब वह सुनिश्चित करता है कि बाकी प्लॉट उसके नाम पर न आएं और टाइटल डीड भी उसके नाम पर रहे। अब, कई लोग विवाद कर रहे हैं और सड़क के बीच में दीवार खड़ी कर रहे हैं या कई लोग कह रहे हैं, 'मुझे इस बारे में पता नहीं है, मेरे पिताजी ने ऐसा किया। मैंने ऐसा नहीं किया, मुझे नहीं पता।'

उन्होंने कहा, हम झुग्गी-झोपड़ियाँ तो बना लेंगे, लेकिन क्या हम राजस्व सम्पदा नहीं बनाएंगे? पिछले सैकड़ों सालों से जिस जगह का इस्तेमाल सड़क के तौर पर किया जाता रहा है, उसे सत्ता चलाने के लिए मेरी संपत्ति के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। सड़कें सरकारी संपत्ति हैं। इस संबंध में संशोधन किए गए हैं। कुछ जगहों पर इन्हें कंपाउंड कम्युनिटी भी कहा गया है। पहले दूतावास ने ऐसा किया था। बाद में जनता कोर्ट गई और समस्या का समाधान हुआ। हमारी उम्मीद है कि इसे आम लोगों के इस्तेमाल के लिए खोल दिया जाए। जब विपक्ष ने गेटेड समुदाय के रूप में पहले से किए गए कार्यों पर सरकार के रुख पर सवाल उठाया, तो उन्होंने कहा, यदि कोई विकास कार्य किया जाता है, तो प्रवेश और निकास के लिए एक व्यवस्था होनी चाहिए। हम आगे के बारे में सोचेंगे और जो पहले से किया गया है, उस पर कार्रवाई करेंगे।

'बंद' को प्रोत्साहित नहीं करता

विधान परिषद में शून्यकाल के दौरान जब विपक्ष के नेता चलावाडी नारायणस्वामी ने 22 मार्च को कर्नाटक बंद के कारण छात्रों की परीक्षा बाधित होने का मुद्दा उठाया तो उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, हम बंद को प्रोत्साहित नहीं कर सकते क्योंकि छात्रों की एसएसएलसी परीक्षाएं चल रही हैं। राजनीतिक रूप से और यहां तक कि अदालतें भी इसका समर्थन नहीं करेंगी। हम बंद का आह्वान करने वालों को सूचित करेंगे। उन्होंने सदन को बताया, परीक्षाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। हम इस बारे में जल्द ही अधिकारियों से बात करेंगे और एक बयान जारी करेंगे।

विमोचन

गुरुवार को विधान सौधा कार्यालय में बेंगलूरु प्रेस क्लब द्वारा प्रकाशित 2025वीं डायरी का विमोचन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार केवी प्रभाकर, प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्रीधर एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेंगलूरु उपनगरीय रेल परियोजना के लिए जमीन का हस्तांतरण धीमा : वैष्णव

नई दिल्ली/बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि भारतीय रेल ने बेंगलूरु उपनगरीय रेल परियोजना के लिए के-राइड लिमिटेड' को जमीन आवंटित की है, लेकिन राज्य सरकार से जमीन का हस्तांतरण ''बहुत धीमा'' है।

वैष्णव ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि वर्तमान में कर्नाटक द्वारा नियुक्त एक अंशकालिक प्रबंध निदेशक इस परियोजना की देखरेख कर रहे हैं, लेकिन एक ऐसे पूर्णकालिक प्रबंध निदेशक की आवश्यकता है जो रेल प्रौद्योगिकी से परिचित हों।

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने सवाल किया था कि कि क्या केंद्र

सरकार ने बेंगलूरु में उपनगरीय रेलवे नेटवर्क की धीमी प्रगति को देखते हुए इसे क्रियान्वित और संचालित करने का प्रस्ताव दिया है? इस 148.17 किलोमीटर की परियोजना को 15,767 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है, जिसमें केंद्र और राज्य प्रत्येक द्वारा 20 प्रतिशत वित्तपोषण है। शेष राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी।

जैन यूनिवर्सिटी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल

समाज को आकार देने वाली कहानियों का हुआ शानदार प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग ने 'जैन यूनिवर्सिटी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल 2025' का आयोजन किया। इसमें शॉर्ट-फॉर्म सिनेमा के जरिए समाज को आकार देने वाली कहानियों को शानदार ढंग से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध निर्माता और मैसूरु विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्य डॉ. टीआर चंद्रशेखर थे। उनके साथ फिल्म संपादक बीएस केम्पराजू, निर्माता, निर्देशक, थिएटर अभिनेता एवं लेखक नवीन द्वारकानाथ जजिंग पैनल में शामिल थे। कन्नड़ अभिनेत्री सुकृता वैगल ने भी शिरकत की।

डॉ. टीआर चंद्रशेखर ने कहा, 'बजट से ज्यादा विषय महत्त्वपूर्ण है। यह फिल्म का पहला नायक है। जब कोई फिल्म निर्माण के प्रति जुनूनी और आशावादी होता है तो सिनेमा की कम सफलता दर से डरने की कोई बात नहीं है। दुनियाभर के सिनेमा से अलग-अलग दृष्टिकोण पाने के लिए भाषा की परवाह किए बिना रोजाना कम से कम एक फिल्म देखें।'

प्रो-वाइस चांसलर डॉ. दिनेश नीलकांत ने कहा, 'सिनेमा एक सार्वभौमिक भाषा है, एक दर्पण जो हमारी साझा मानवता को प्रतिबिंबित करता है, सीमाओं और बाधाओं को पार करता है। ऐसे फिल्म फेस्टिवल सिनेमा के भविष्य को आकार देने में जरूरी भूमिका निभाते हैं। वे प्रतिभा के लिए इनक्यूबेटर हैं, जो महत्वाकांक्षी फिल्म निर्माताओं को इंडस्ट्री के पेशेवरों, आलोचकों और दर्शकों से जोड़ते हैं।' पत्रकारिता और जनसंचार विभाग की अध्यक्ष डॉ. भार्गवी डी. हेम्मिगे ने कहा, 'यह शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल एक ऐसा मंच है, जहां हम सिनेमा के इस जादुई सपने को सेलिब्रेट करने के लिए इकट्ठे होते हैं। हम उन कहानीकारों और रचनाकारों को एक साथ ला रहे हैं, जिन्होंने दुनिया को अलग ढंग से देखने की हिम्मत की। यह भविष्य की पीढ़ी के फिल्म निर्माताओं और कहानीकारों के लिए एक लॉन्च पैड है।' बता दें कि इस फिल्म फेस्टिवल में दो श्रेणियों- प्रोफेशनल और स्टूडेंट में प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें देशभर के फिल्म निर्माताओं से 80 से ज्यादा प्रविष्टियां मिलीं। साथ ही अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुतियां भी हुईं। कुल 29 उत्कृष्ट शॉर्ट फिल्में अंतिम दौर में पहुंचीं। दोनों श्रेणियों में विजेता और उपविजेता को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर सिनेमा पत्रकार धीरज एमवी द्वारा 'द आर्ट ऑफ ब्रांडिंग ए फिल्म' नामक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सत्र में फिल्म ब्रांडिंग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

एलन मस्क की कंपनी 'एक्स' ने कथित सेंसरशिप को लेकर भारत सरकार के खिलाफ वाद दायर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की स्वामित्व वाली सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) ने भारत सरकार के खिलाफ कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक वाद दायर करके कथित गैरकानूनी सामग्री विनियमन और ''मनमाने सेंसरशिप'' को चुनौती दी है। 'एक्स' ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की केंद्र की व्याख्या, विशेष रूप से उसके द्वारा धारा 79(3)(बी) के उपयोग पर चिंता जतायी, जिसके बारे में 'एक्स' ने दलील दी है कि यह उच्चतम न्यायालय के फैसलों का उल्लंघन है और डिजिटल मंच पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कमतर करता है। वाद में आरोप लगाया गया है कि सरकार धारा 69ए में उल्लिखित कानूनी प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए, एक समानांतर सामग्री अवरोधन तंत्र बनाने के लिए उक्त धारा का इस्तेमाल कर रही है।

'एक्स' ने दावा किया कि यह दृष्टिकोण श्रेया सिंघल मामले में उच्चतम न्यायालय के 2015 के फैसले के विरोधाभासी है, जिसमें यह स्थापित किया गया था कि सामग्री को केवल उचित न्यायिक प्रक्रिया या धारा 69ए के तहत कानूनी रूप से परिभाषित माध्यम से ही अवरुद्ध किया जा सकता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, धारा 79(3)(बी) ऑनलाइन मंचों को अदालत के आदेश या सरकारी अधिसूचना द्वारा निर्देशित होने पर अवैध सामग्री को हटाना अनिवार्य करती है।

मंत्रालय के अनुसार, यदि कोई डिजिटल मंच 36 घंटे के भीतर अनुपालन करने में विफल रहता है, तो उसे धारा 79(1) के तहत संरक्षण गंवाने का जोखिम होता है और उसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) सहित विभिन्न कानूनों के तहत जवाबदेह ठहराया जा सकता है। हालांकि, 'एक्स' ने इस व्याख्या को चुनौती दी है और दलील दी कि यह प्रावधान सरकार को सामग्री को ब्लॉक करने का स्वतंत्र अधिकार नहीं देता है। एक्स' ने प्राधिकारियों पर उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना मनमाने ढंग से सेंसरशिप लगाने के लिए कानून का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

आईटी अधिनियम की धारा 69ए के तहत, सरकार को डिजिटल सामग्री तक सार्वजनिक पहुंच को अवरुद्ध करने का अधिकार है, यदि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा पैदा हो। हालांकि, इस प्रक्रिया को 2009 के सूचना प्रौद्योगिकी (सार्वजनिक रूप से सूचना तक पहुंच को अवरुद्ध करने की प्रक्रिया और सुरक्षा उपाय) नियमों द्वारा विनियमित किया जाता है, जिसके तहत अवरुद्ध करने के निर्णय लेने से पहले एक समीक्षा प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। 'एक्स' ने दलील दी है कि इन प्रक्रियाओं का पालन करने के बजाय, सरकार धारा 79(3)(बी) का उपयोग एक 'शॉर्टकट' उपाय के रूप में कर रही है, जिससे सामग्री को आवश्यक जांच के बिना हटाया जा सकता है। उसने कहा कि सोशल मीडिया मंच इसे उन कानूनी सुरक्षा उपायों के प्रत्यक्ष उल्लंघन के रूप में देखता है जो मनमाने सेंसरशिप को रोकने के लिए हैं। सोशल मीडिया मंच की कानूनी चुनौती में एक और प्रमुख बिंदु सरकार के 'सहयोग' पोर्टल का विरोध है। गृह मंत्रालय के तहत, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा स्थापित यह पोर्टल धारा 79(3)(बी) के तहत हटाने के अनुरोधों को कारगर बनाने और सोशल मीडिया मंच और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सीधे संवाद की सुविधा के लिए तैयार किया गया था। वाद में दलील दी गई है कि यह न्यायिक निगरानी के बिना ऑनलाइन मंचों पर विमर्श को नियंत्रित करने का सरकार का एक और प्रयास है।

बिजली के खंभे से टकराकर बाइक सवार दो युवकों की मौत

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु में एक मोटरसाइकिल के बिजली के खंभे से टकराने की दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना मंगलवार को किन्निगोली के निकट हुई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान आत्मानंद (27) और नवीन हुगर (26) के रूप में हुई है तथा दोनों ही धारवाड़ जिले के सवदत्ती कल्लूर के रहने वाले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक की रफ्तार तेज होने के कारण यह हादसा हुआ और दोनों युवकों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। मंगलूरु उत्तर यातायात पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-4, कुतब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

विज्ञापन संख्या-01/2025

निम्नलिखित पद पर नियुक्ति के लिए योग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन माध्यम द्वारा आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं-

क्रम सं.	पद का नाम एवं वेतन स्तर	पदों की संख्या तथा श्रेणी	भर्ती का माध्यम
1.	कुलसचिव वेतन स्तर-14	01-UR	सीधी भर्ती / प्रतिनियुक्ति

भर्ती से संबंधित पात्रता मानदंड के विस्तृत नियम एवं शर्तें वेबसाइट www.slbsrsv.ac.in से डाउनलोड की जा सकती हैं। उम्मीदवारों को अपने आवेदन ऑनलाइन माध्यम से जमा करने के साथ 2000/- (रु. 1000/- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/महिला श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए) रुपये का शुल्क जमा करना आवश्यक है।

जिन उम्मीदवारों ने पिछले विज्ञापन के अंतर्गत कुलसचिव पद के लिए आवेदन किया था, उन्हें नया आवेदन करना आवश्यक है। हालाँकि आवेदन शुल्क नियमानुसार वापस किया जाएगा। विधिवत भरे हुए ऑनलाइन आवेदन को जमा करने की अंतिम तिथि 10.04.2025 है। ऑनलाइन आवेदन के प्रिंट आउट की प्रति संबंधित स्वप्रमाणित दस्तावेजों के साथ डाक द्वारा भेजी जानी चाहिए, ताकि वह इस विश्वविद्यालय में दिनांक 20.04.2025 तक प्राप्त हो सके।

कुलसचिव(प्रभारी)

CBC 21371/12/0001/2425

विद्यार्थियों को चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों लिए प्रेरित किया जाए : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शिक्षा के जरिए चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किए जाने का आह्वान किया है। राज्यपाल बागड़े गुरुवार को लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती संस्थान के 35वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने वाली है।

प्राचीन ज्ञान के आधुनिकीकरण के साथ हम सभी विकसित भारत की संकल्पना को साकार करें। उन्होंने आचार्य तुलसी को याद करते हुए उनके अणुव्रत आंदोलन एवं नशा मुक्ति हेतु किये गए प्रयासों से प्रेरणा लेकर नशा मुक्त प्रदेश बनाने का संकल्प लेने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान समुद्र समान है, हमें बौद्धिक क्षमता का विकास करना चाहिए और लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। राज्यपाल बागड़े ने इस दौरान शिक्षा,खेल,शोध एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों और संस्थान के शिक्षकों को सम्मानित भी किया। इससे पूर्व राज्यपाल बागड़े ने विश्वविद्यालय के नवीनीकृत कुलपति कार्यालय और सेमिनार हॉल का उद्घाटन किया। साथ ही इस अवसर पर जैन विश्व भारती चिकित्सालय का शिलान्यास भी किया।

बाड़मेर जिले में सड़क हादसे में दो युवक जिंदा जले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले के शिव थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई व तीन अन्य व्यक्ति घायल हो गये। यह जानकारी पुलिस ने दी। थानाधिकारी मनीष देव ने बताया कि आगोरिया गांव के पास दो वाहनों (दोनों चार पहिया वाहन) की भिड़ंत हो गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई और कार में सवार दो लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई जबकि दूसरे वाहन में सवार तीन लोग घायल हो गये।

उन्होंने बताया कि मृतकों में से एक की पहचान गुजरात निवासी आदित्य (20) के रूप में की गई है जबकि दूसरे की पहचान के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि घायलों में से दो गंभीर रूप से घायलों को बाड़मेर के जिला अस्पताल भेजा गया है।

उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि कार में सवार युवक जैसलमेर घूमने आये थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृत्यु सहायता योजना के लंबित प्रकरणों की राशि का भुगतान एक सप्ताह में होगा : गोदारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि मृत्यु सहायता योजना में गत तीन वर्षों से नोमिनी के नाम पर एफडी की लंबित राशि का भुगतान एक सप्ताह में किया जाएगा। गोदारा प्रश्नकाल में पूरक प्रश्न का श्रम मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा श्रमिकों के हित में संवेदनशीलता से निर्णय लेते हुए प्रदेश के पांच हजार से अधिक हितधारकों के खातों में तुरंत राशि जारी करने के निर्देश दिये गए हैं। उन्होंने अवगत करवाया कि मृत्यु सहायता योजना में 50 प्रतिशत सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से तथा शेष 50 प्रतिशत राशि नोमिनी के नाम पर एफडी के माध्यम से प्रदान की जाती है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 15 दिसम्बर 2024 को श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के 2 लाख 15 हजार लाभार्थियों को राशि जारी की गई। इससे पहले विधायक श्रीचन्द कृपलानी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि चित्तौड़गढ़ में गत पांच वर्षों में मण्डल द्वारा हिताधिकारियों की सामान्य अथवा दुर्घटना में मृत्यु या घायल होने की दशा में सहायता योजना के एक हजार 579 आवेदनों का निस्तारण किया गया। जिनमें से 885 आवेदन स्वीकृत 694 आवेदन योजना के लिए वांछित पात्रता के अभाव में निरस्त किये गये। उन्होंने विधानसभा क्षेत्रवार संख्यात्मक विवरण सदन के पटल पर रखा।

गोदारा ने बताया कि चित्तौड़गढ़ में एक हजार 579 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए, जिनमें से 885 आवेदन स्वीकृत, 694 आवेदन निरस्त है। उन्होंने बताया कि आवेदन निरस्त होने पर जिला श्रम कल्याण अधिकारी के समक्ष अपील की जा सकती है। उन्होंने बताया कि उदयपुर संभाग के विभिन्न जिलों के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के 31 दिसम्बर 2024 तक छात्रवृत्ति के 7 हजार 253 आवेदन लंबित हैं।

उन्होंने बताया कि गत तीन वर्षों में सरकार द्वारा श्रमिक छात्रवृत्ति के एक लाख 52 हजार 547 आवेदनों का निस्तारण किया गया है, जिनमें से 84 हजार 837 आवेदन स्वीकृत, 60 हजार 457 आवेदन अस्वीकृत एवं 7 हजार 253 आवेदन लंबित हैं। श्रमिक छात्रवृत्ति के 7 हजार 253 लंबित आवेदनों में राशि का हस्तांतरण शीघ्र ही कर दिया जाएगा। उन्होंने उदयपुर संभाग का विधानसभा क्षेत्रवार संख्यात्मक विवरण सदन के पटल पर रखा।

बीकानेर में एक ही परिवार के तीन सदस्यों के शव मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर शहर में एक परिवार के तीन सदस्यों के शव उनके घर में मिले हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक कविंद्र सिंह ने बताया कि वल्लभ गार्डन इलाके में एक घर में व्यक्ति का शव कमरे की छत पर लगे हुक से लटका हुआ था जबकि उसकी पत्नी और छोटी बेटी के शव फर्श पर पड़े थे। उन्होंने बताया कि तीनों शव सात से आठ दिन पुराने होने का संदेह है।

मृतकों की पहचान इलेक्ट्रीशियन का काम करने वाले 50 वर्षीय नितिन खत्री, उसकी पत्नी 45 वर्षीय रजनी और 18 वर्षीय बेटी जसिका के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि तीनों पिछले कुछ दिनों से नजर नहीं आ रहे थे और घर से बदबू आने लगी थी। इसलिए पड़ोसियों ने उनके रिश्तेदारों को बुलाया। रिश्तेदार बुधवार रात पहुंचे और घर के अंदर गए। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों शवों को पीबीएम अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और तीनों की मौत का कारण स्पष्ट नहीं है।

'हम एक साल कुछ नहीं बोले, क्योंकि नए लोगों को काम करने का मौका दे रहे थे': गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत गुरुवार को विधानसभा पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए भजनलाल सरकार पर हमला बोला। गहलोत ने कहा कि सत्ता पक्ष का व्यवहार आलोचना लायक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्री नए थे, इसलिए कांग्रेस विधायक दल ने तय किया कि इन्हें काम करने का मौका देना चाहिए। एक साल तक कांग्रेस ने कोई आंदोलन नहीं किया। गहलोत ने कहा कि हमें जो भी बात सरकार तक पहुंचानी होती थी, वो मीडिया के माध्यम से पहुंचाई। सरकार में बैठे लोग ये नहीं समझ पाए कि हम उनका हित ही चाह रहे थे। हम चाहते हैं सत्ता पक्ष और विपक्ष ऐसे काम करे, जिससे पब्लिक को सीधा लाभ मिल सके। कहीं कोई कमी न रहे, ये हमारी सोच है। अब बीजेपी के ऊपर है कि वो कितना साथ निभाते हैं।

गहलोत ने विधानसभा में कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित 6 कांग्रेसी विधायकों के निलंबन को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि सदन से कांग्रेस के 6 सदस्यों को निष्कासित किया गया। उनके समर्थन में विधानसभा के बाहर धरना तक देना पड़ा। गहलोत बोले कि हमारे समय में भी निष्कासन होता था, लेकिन एक-दो दिन में विपक्ष से बात करके मामला शांत कर लिया जाता था। मौजूदा सरकार में डोटासरा को टारगेट करके विधानसभा चलाई। उन्होंने कहा कि निष्कासन को लेकर हमारी भी चर्चा हुई है, क्योंकि बिना विपक्ष के लोकतंत्र में पक्ष का कोई अस्तित्व नहीं होता।

पंजाब में किसानों को शंभू बॉर्डर से हटाने को लेकर आम आदमी पार्टी की तरफ से की गई कार्रवाई को लेकर गहलोत ने कहा कि इन दलों को लोकतंत्र में यकीन नहीं है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा किसान आंदोलन है। पहले भी केंद्र सरकार ने किसानों से वादे किए, लेकिन उन्हें निभाया नहीं गया। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा दिया जाएगा, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ। सरकार को किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिए।

जनकल्याणकारी योजनाओं का हो समयबद्ध क्रियान्वयन : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिए है कि राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रसोई गैस सिलेण्डर सब्सिडी एवं अन्य योजनाओं के अन्तर्गत लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न विभागों की परियोजनाओं एवं योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्ष 2024-25 में विभागवार निर्धारित की गई राशि का नियमानुसार एवं समुचित व्यय सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बजट घोषणाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने लोककल्याण से जुड़ी योजनाओं के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध करवाए है, ताकि आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों का सुगमता एवं तत्परता से लाभ मिल सकें। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गिव-अप अभियान में 14 लाख से अधिक अपात्र व्यक्ति खाद्य सुरक्षा योजना से हटे : सुमित गोदारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना में पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ पहुंचाने के लिए 'गिव-अप' अभियान के तहत अब तक 14 लाख 27 हजार 820 अपात्र व्यक्तियों ने स्वेच्छा से अपने नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटा लिए हैं।

गोदरा ने प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में नए नाम जोड़ने के लिए गत 26 जनवरी से पोर्टल शुरू किया गया है। वर्तमान में पोर्टल के जरिये आवेदन करने वाले 13 लाख 51 हजार 253 नए लाभार्थियों को योजना से जोड़ा जा चुका हैं एवं नए नाम जोड़े जाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इस दौरान केकड़ी विधानसभा क्षेत्र में भी 2 हजार 314 लाभार्थियों को योजना में जोड़ा गया है।

इससे पहले विधायक शत्रुघन गौतम के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जोड़ने के लिए निर्धारित मापदण्ड राजस्थान खाद्य सुरक्षा नियम, 2023 की अनुसूची-1 में उल्लेखित 32 समावेशन श्रेणियों में से किसी भी एक श्रेणी की पात्रता होने एवं निष्कासन मानदण्डों के अंतर्गत नहीं आने पर अपीलीय प्रक्रिया के माध्यम से नाम जोडने की कार्यवाही की जाती है। उन्होंने इन नियमों का विवरण सदन के पटल पर रखा। गोदारा ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित सीलिंग सीमा 4 करोड़ 46 लाख 61 हजार 960 के अनुसार उपलब्ध रिक्त स्थान के विरूद्ध वंचित पात्र लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में शामिल किये जाने के लिए कार्यवाही जारी है।

देशनोक में कार पर पलटा ट्रोला, छह लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर । राजस्थान के बीकानेर में बुधवार आधी रात को सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। बीकानेर के देशनोक इलाके में स्थित ओवर ब्रिज पर एक ट्रोला ओवरटेक करने के प्रयास के दौरान पास से गुजर रही कार पर पलट गया। कार में सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक शादी समारोह में शामिल होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद देशनोक पुलिस मौके पर पहुंची।

मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन और तीन जेसीबी की मदद से ट्रोले को किनारे किया। इसके बाद कार सवार सभी लोगों को निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि कार नोखा की तरफ जा रही थी। पुलिस ने शवों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है।

मृतक देशनोक में किसी शादी समारोह में शामिल होने आए थे। इसके बाद वे देर रात वापस नोखा जा रहे थे। तभी देशनोक ओवरब्रिज पर कार के साथ चल रहा ट्रोला उस पर पलट गया। इससे कार बुरी तरह से चकनाचूर हो गई और उसमें सवार सभी लोग दब गए। इसके बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस के अनुसार, मृतकों के पास मिले पहचान पत्रों के आधार पर उनके परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई है। सूचना मिलते ही मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया और परिवार के सदस्य घटनास्थल पर दौड़ पड़े। पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर क्षतिग्रस्त वाहनों को वहां से हटवाया और ट्रैफिक बहाल किया। सभी शवों का गुरुवार को पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

बी.एड. कॉलेज की लेक्चरर श्रीमती मीनाक्षी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जोधपुर। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी जोधपुर शहर द्वारा गुरुवार को कार्रवाई करते हुए श्रीमती मीनाक्षी लेक्चरर, एसएलबीएस बीएड कॉलेज जोधपुर को 15 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा नें बताया कि एसीबी की जोधपुर शहर ईकाई कों एक शिकायत इस आशय की मिली कि एस.एल.बी.एस. बी.एड. कॉलेज की लेक्चरर मीनाक्षी द्वारा प्रथम वर्ष बी.एड. कॉलेज की परिवादिया छात्रा से उपस्थिति पूरी करनें व इन्टर्नशीप के लिए रिलीविंग लेटर देनें की एवज में 15000 रुपए रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर हरेन्द्र महावर उप महानिरीक्षक पुलिस के सुपरविजन में चक्रवर्ती सिह राठौड़ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर शहर के नेतृत्व में ट्रेपकर्ता श्रीमती सुनिता कुमारी निरीक्षक पुलिस मय किशन सिंह चारण उप अधीक्षक पुलिस मय जाब्ता के ट्रेप कार्रवाई करतें हुए आरोपिया मीनाक्षी लेक्चरर एस.एल.बी.एस. बी.एड. कॉलेज जोधपुर को आज 15,000 रुपए रिश्वत राशि लेतें हुए गिरफ़्तार किया।

मंजीरों की झंकार से गूंजा रामकृष्ण मिशन परिसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की समृद्ध लोकनृत्य परंपरा का जीवंत दर्शन गुरुवार को रामकृष्ण मिशन परिसर में हुआ। यहां राजस्थान डेल्फिक काउंसिल और रामकृष्ण मिशन जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'मंजीरा तेरह ताल नृत्य प्रस्तुति' में मंजीरों की झंकार ने शाम को सुरमयी बना दिया। इस आयोजन ने न केवल पारंपरिक नृत्य और संगीत का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और आगे बढ़ाने के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं डेल्फिक काउंसिल राजस्थान की अध्यक्ष श्रीमती श्रेया गुहा, डेल्फिक काउंसिल के सचिव एवं जयपुर जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी और रामकृष्ण मिशन के स्वामी देव प्रभानन्द द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर श्रीमती गुहा ने कहा कि राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को सहेजना और नई पीढ़ी से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। डेल्फिक काउंसिल राजस्थान इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है और 'मंजीरा' जैसे आयोजनों से हमारी लोककला और परंपराओं को नई ऊर्जा मिलती है।

डेल्फिक काउंसिल राजस्थान के सचिव और जयपुर जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल राजस्थान की सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत रखते हैं बल्कि कलाकारों को मंच प्रदान करने का भी कार्य करते हैं। हमें गर्व है कि हम अपनी लोक संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

इस आयोजन में लोक संगीत और नृत्य की जुगलबंदी देखने को मिली, जहां ढोलक पर रोशनदास, तंबूरे पर कालूदास, और झाँझ पर इंद्रदास ने अपनी मधुर धुनों से माहौल को संगीतमय बना दिया। वहीं, तेरह ताल नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति में कैलाशी बाई, सोहनी बाई, कंचन और कुसुम बाई ने अपने नृत्य कौशल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गौरतलब है कि तेरहताल नृत्य राजस्थान का एक लोकप्रिय लोक नृत्य है। यह नृत्य एक प्रकार की ईश्वर साधना है जिसमें महिलाएँ अपने शरीर पर तेरह मंजीरे बांधकर और मुंह में तलवार व कटार लेकर नृत्य करती हैं।

यह नृत्य मूलतः कामड़ समाज के लोगों द्वारा किया जाता है जिसमें पुरुष वाद्य यंत्र बजाते हैं और महिलाएं विभिन्न मुद्राओं में नृत्य करती हैं। कार्यक्रम का आयोजन लोक धुनि फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर रामकृष्ण मिशन के एकनिष्ठानंद महाराज, राजस्थान डेल्फिक काउंसिल सदस्य मोनाली सेन, कीर्ति शर्मा, राहुल सूद, लतीफ़ उस्ता, शुवंकर विश्वास और नवीन त्रिपाठी भी उपस्थित थे।

नाम बदलने में सरकार ने तोड़े सारे रिकॉर्ड : हरिमोहन शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा में राजस्थान के विश्वविद्यालयों की विधियां संशोधन विधेयक 2025 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने कहा कि नाम बदलने में सरकार ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, अगर नाम बदलने से ही विकास हो जाएं, तो हम उसका समर्थन करें। शर्मा ने विभिन्न योजनाओं के अब तक बदले गए नाम का उल्लेख करना शुरू किया, तो सत्ता पक्ष की ओर से आपत्ति जताते हुए कहा गया कि सिर्फ विश्वविद्यालय के विधेयक पर बात करें, अन्य योजनाओं का नाम बदलने का इस विधेयक से कोई लेना देना नहीं है। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि आप सिर्फ शिक्षा पर बोले, आप दूसरी योजनाओं का उल्लेख नहीं करें। इस पर हरिमोहन शर्मा ने कहा कि आप हमारे बोलने के अधिकारों का हनन कर रहे हो, सदन में बोलने का मेरा अधिकार है। परिवहन शर्मा ने कहा कि ऐसी क्या आप खा गई थी कि कुलपति का नाम बदलकर कुलगुरु कर रहे हो, जबकि जिन 33 विश्वविद्यालय की बात कर रहे हो, उनमें एक भी विश्वविद्यालय नेशनल स्तर की मार्किंग में नहीं है।

शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान पिछले डेढ़ साल में निचले पायदान पर आ गया है, पूर्ववर्ती सरकार ने तो नए विश्वविद्यालय और महाविद्यालय खोलने का काम किया था, कुलगुरु करने से कोई लाभ नहीं मिलने वाला, यह तो सिर्फ प्रशासनिक पद है, ऐसे में गुरु का नाम भी खराब कर रहे हो।

हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों ने शंभू, खनौरी में अवरोधक हटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के सुरक्षा कर्मियों ने शंभू और खनौरी बॉर्डर से प्रदर्शनकारी किसानों को हटाए जाने के बाद बृहस्पतिवार को सीमेंट के वे अवरोधक हटाने शुरू कर दिए जो पंजाब के किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए लगाए गए थे। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर शंभू-अंबाला और संगरूर-जींद मार्गों से कंक्रीट के अवरोधकों को हटाने के लिए जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद ली जा रही है। ये मार्ग प्रदर्शनकारी किसानों के वहां डेरा डालने के बाद एक वर्ष से अधिक समय से अवरुद्ध हैं।

हरियाणा के सुरक्षा अधिकारियों ने पंजाब से लगी राज्य की सीमा पर सीमेंट के ब्लॉक, लोहे की कीलें और कंटीले तारों की मदद से अवरोधक लगाए थे ताकि 'दिल्ली चलो' कार्यक्रम के तहत पंजाब से किसानों के राजधानी की ओर बढ़ने के हर प्रयास को विफल किया जा सके। पंजाब पुलिस ने भी मार्ग को खाली करने के लिए शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पंजाब की ओर स्थित शेष अस्थायी ढांचों को हटाने का अभियान बृहस्पतिवार को फिर शुरू कर दिया।

पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नानक सिंह ने बताया कि शंभू बॉर्डर पर सड़क से सभी ट्रॉली और अर्ध-स्थायी ढांचे हटा दिए जाएंगे। उन्होंने सड़क कुछ घंटों बाद यातायात के लिए खोले जाने की उम्मीद जताई।

एसएसपी ने कहा कि हरियाणा के अधिकारी भी सड़क खोलने के लिए समानांतर कदम उठा रहे हैं।

पुलिस महानिरीक्षक (अंबाला रेंज) सिबाश कबिराज ने कहा कि हरियाणा की ओर के अवरोधक बृहस्पतिवार शाम तक हटा दिए जाएंगे और उसके बाद सड़क यातायात बहाल हो सकेगा। इस बीच, संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने पंजाब पुलिस की कार्रवाई के विरोध में बृहस्पतिवार को उपायुक्तों के कार्यालयों के बाहर धरना देने की घोषणा की।

शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसानों के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले दोनों निकायों ने बुधवार को प्रदर्शनकारियों को हटाने और किसान नेताओं को हिरासत में लेने के लिए पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की आलोचना की। पुलिस कार्रवाई की निंदा करने के लिए किसानों के एक समूह ने मुक्तसर जिले के गिद्दड़बाहा में विरोध प्रदर्शन किया और उपायुक्त कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करने जा रहे एक अन्य समूह की मोगा जिले में पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई हुई। इस समूह में महिलाएं भी शामिल थीं। पंजाब पुलिस ने बुधवार को सरवन सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल सहित कई किसान नेताओं को मोहाली में उस समय हिरासत में ले लिया जब वे चंडीगढ़ में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में एक केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करने के बाद लौट रहे थे।

चंडीगढ़ में दोनों पक्षों के बीच हुई सातवें दौर की वार्ता में केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी किया। चर्चा मुख्य रूप से फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग पर केंद्रित रही। बैठक के बाद किसान जैसे ही मोहाली में दाखिल हुए, उन्हें भारी अवरोधकों का सामना करना पड़ा। पुलिस कार्रवाई को लेकर कुछ वर्गों की आलोचना का सामना कर रहे पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'आप' सरकार राज्य में उद्योगों को आकर्षित करके युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बिरला ने नारे लिखी टी-शर्ट पहने द्रमुक सदस्यों को दिलाई नियम 349 की याद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्य बृहस्पतिवार को नारे लिखी टी-शर्ट पहनकर लोकसभा में पहुंचे तो अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें नियम 349 की याद दिलाई और कहा कि उनका यह आचरण इस नियम के साथ ही सदन की मर्यादा के प्रतिकूल है।

पूर्वाह्न 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर बिरला ने द्रमुक सदस्यों को लोकसभा की मर्यादा की याद दिलाई। साथ ही, सत्ता पक्ष के कुछ सदस्यों ने भी आपत्ति जताई।

बिरला ने द्रमुक सदस्यों से कहा, सदन मर्यादा और गरिमा से चलता है। मैं कुछ दिनों से देख रहा हूं कि सदस्य गण सदन की गरिमा को भंग कर रहे हैं और सदन के नियम- प्रक्रियाओं का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, नियम संख्या 349 आपको पढ़ना चाहिए। इसमें सदन की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए और कैसा आचरण होना चाहिए, उस बारे में लिखा हुआ है।

लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों को आगाह करते हुए कहा, अगर आप टी-शर्ट पहनकर यहां (सदन में) आएंगे, नारे लगाते आएंगे, नारे लिखकर आएंगे तो सदन की कार्यवाही नहीं चलेगी। अगर आप टी-शर्ट नहीं पहनकर आएंगे, तभी सदन की कार्यवाही चलेगी। उन्होंने कहा, चाहे कोई भी बड़ा नेता हो, सदन की मर्यादा और परंपराओं का उल्लंघन करेगा तो लोकसभा अध्यक्ष होने के नाते उसे (सदन की गरिमा को) बनाए रखना मेरी जिम्मेदारी है।

बिरला ने जिस नियम 349 का हवाला दिया वह ''सदन में सदस्यों द्वारा अनुपालन किए जाने वाले नियमों'' से संबंधित है।

नियम 349(16) में कहा गया है, जब सदन की कार्यवाही जारी हो, कोई सदस्य सदन में झंडे, प्रतीक या कोई प्रदर्शनी प्रदर्शित नहीं करेगा।

इसकी एक अन्य उपधारा सदस्यों को लैपेल पिन या बैज के रूप में राष्ट्रीय ध्वज को छोड़कर, सदन में किसी भी प्रकार का बैज पहनने या प्रदर्शित करने से रोकती है। द्रमुक के सदस्य परिसीमन के विषय पर नारे लिखी हुई टी-शर्ट पहनकर सदन में पहुंचे थे। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी की मांग है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे उन प्रदेशों को लोकसभा सीटों के संदर्भ में नुकसान होगा जिन्होंने प्रभावी ढंग से जनसंख्या नियंत्रण किया है।

बिहार विधानपरिषद में नीतीश और राबड़ी के बीच फिर हुई नोक-झोंक

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी पूर्ववर्ती राबड़ी देवी पर बृहस्पतिवार को एक बार फिर कटाक्ष करते हुए उन्हें याद दिलाया कि वह उनके पति को इस पद से ''हटाये जाने'' के कारण ही मुख्यमंत्री बन पाई थीं। कुमार ने राज्य विधानपरिषद में एक चर्चा के दौरान हस्तक्षेप करते हुए, चारा घोटाले में सीबीआई द्वारा आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद 1997 में राजद सुप्रीमो के इस्तीफे का जिक्र किया।

सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले विपक्षी महागठबंधन के सदस्यों के बीच, राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर सदन में आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिला। कुमार ने कहा, सरकार अपराध की हर घटना की जांच करवाती है और दोषियों को अदालत के कठघरे में लाती है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में राजद के शासन काल की ओर इशारा करते हुए कहा, क्या उस समय कुछ किया गया। हिंदू, मुस्लिम का कितना झगड़ा हुआ करता था। लोग केवल अपना प्रचार करने में लगे रहते थे।

राबड़ी देवी ने अपना विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में वह अपने आठ साल के कार्यकाल की उपलब्धियों के बारे में बोल सकती हैं। वहीं, कुमार ने मगही भाषा में उनपर तंज करते हुए कहा, छोड़ा ना तोहरा कुछ मालूम है। इसके बाद, जद(यू) सुप्रीमो ने कहा, उनके पति ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया, जब उन्हें (लालू को) पद से हटा दिया गया था। यह सब परिवार में ही रहा। सत्ता में रहते हुए उन्होंने कोई काम नहीं किया। उनके गड़बड़ करने की प्रवृत्ति ने मुझे उनसे नाता तोड़ने को मजबूर किया। मौजूदा सत्र के दौरान यह तीसरा अवसर है जब कुमार और राबड़ी के बीच नोक-झोंक हुई है।

बिहार: नल के पानी लेकर हुए विवाद में केंद्रीय मंत्री के भांजे की मौत

भागलपुर (बिहार)/भाषा। बिहार के एक गांव में बृहस्पतिवार को नल के पानी को लेकर हुए विवाद में हुई गोलीबारी में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के एक भांजे की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में मृतक की मां और भाई घायल हो गए हैं। नौगछिया पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्रेरणा कुमार ने बताया कि भागलपुर से सटे नौगछिया पुलिस जिले के जगतपुर गांव में नल के पानी को लेकर दो भाइयों विश्वजीत और जयजीत के बीच झगड़ा हो गया। उन्होंने कहा, जब भाइयों के बीच झड़प हुई, तो उनकी मां ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। विश्वजीत की मौके पर ही मौत हो गई। जयजीत और उसकी मां को अस्पताल ले जाया गया है। आगे की जांच जारी है। यह पूछे जाने पर कि क्या मृतक केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय का भांजा (बहन का बेटा) था तो उन्होंने हां में जवाब देते हुए कहा, हमें (संबंध के बारे में) जानकारी मिली है..... हालांकि, हम इस मामले को उसी तरह से देख रहे हैं, जैसे हम इस तरह की किसी भी घटना को देखते हैं। संबंधित अधिकारियों ने अस्पताल जाकर बयान दर्ज किया है।

म्यांमार में फंसे भारतीयों की रिहाई के लिए सरकार प्रयासरत : कीर्तवर्धन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि भारत उन भारतीय नागरिकों की रिहाई और वापसी के लिए निरंतर प्रयासरत है, जो फर्जी नौकरी प्रस्तावों के लालच में म्यांमार में फंसे हैं। इसके साथ ही उसने कहा कि हाल में 549 भारतीय नागरिकों की वापसी सुनिश्चित की गई है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तवर्धन सिंह ने एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी।

सिंह ने कहा, हाल में, म्यांमार और थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावासों ने स्थानीय प्राधिकारियों के समन्वय से 549 भारतीय नागरिकों की वापसी सुनिश्चित की है, जिन्हें निरंतर प्रयासों से 10 और 11 मार्च, 2025 को थाईलैंड के माई सोत से भारतीय वायुसेना के विमान द्वारा वापस लाया गया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार उन भारतीय नागरिकों की रिहाई और स्वदेश वापसी के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, जो फर्जी नौकरी प्रस्तावों के लालच में म्यांमार में फंसे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार इन भारतीय नागरिकों को, विदेश में फर्जी नौकरी के प्रस्तावों का प्रलोभन दिया गया जो अनधिकृत चैनलों के माध्यम से जारी किए गए थे।

सिंह ने कहा कि इन व्यक्तियों की तस्करी की गई, जिसके लिए प्रायः थाईलैंड को पारगमन केंद्र के रूप में उपयोग किया जाता रहा है और बाद में उन्हें थाईलैंड-म्यांमार सीमा के पास स्थानों पर ले जाया गया और साइबर अपराध केंद्रों में काम करने के लिए मजबूर किया गया।

विदेश यात्रा से पहले मेरी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा विपक्ष : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विदेश यात्रा से पहले बृहस्पतिवार को भाजपा और वाम दलों पर उनकी छवि धूमिल करने के प्रयास किए जाने का आरोप लगाया और कहा कि विदेश यात्रा से पहले किसी नेता पर हमला करने से देश की छवि को नुकसान पहुंचता है।

ममता बनर्जी, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए आगामी दिनों में लंदन की यात्रा करने वाली हैं। बनर्जी ने कहा कि राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी भी नेता को किसी अन्य नेता की विदेश यात्रा से पहले उसकी छवि खराब नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह व्यक्ति देश का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने कहा, ईर्ष्या के इलाज के लिए कोई दवा नहीं है। विपक्ष मेरी आगामी लंदन यात्रा को लेकर मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन मेरी विदेश यात्रा से पहले मुझे बदनाम करके वे देश की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

बनर्जी 21 मार्च को लंदन के लिए रवाना होंगी। ऑक्सफोर्ड में उनका व्याख्यान 27 मार्च को होगा। अपनी यात्रा के दौरान, वह राज्य में निवेश के लिए 25 मार्च को उद्योगपतियों से भी मिलेंगी। वह 28-29 मार्च को कोलकाता लौटने वाली हैं। केंद्र ने उनकी यात्रा को पिछले हफ्ते मंजूरी दी थी।

संभल में अवैध निर्माण का आरोप लगाते हुए एक मस्जिद और 33 मकानों को जारी हुआ नोटिस

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले के चंदौसी स्थित वारिस नगर इलाके में नगरपालिका की जमीन पर अवैध निर्माण का आरोप लगाते हुए एक मस्जिद और 33 मकानों को नोटिस भेजा गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि यह कार्रवाई समाधान दिवस पर दर्ज की गई एक शिकायत के बाद की गई है। उन्होंने बताया कि इस शिकायत पर सोमवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मौके का निरीक्षण किया।

चंदौसी के तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया, संभल के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने नगर पालिका परिषद की गाटा संख्या 348 की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत पर मौका मुआयना किया। हालांकि इलाके के रहने वाले लोगों ने दावा किया कि उन्होंने जमीन वैध तरीके से खरीदी है और उनके पास अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज भी मौजूद हैं।

अधिकारी की कार में तोड़फोड़ को लेकर भाजपा ने पूरे बंगाल में विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल दक्षिण 24 परगना के बरुईपुर में कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस समर्थकों द्वारा नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की गाड़ी में तोड़फोड़ करने और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार किए जाने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को राज्यभर में विरोध-प्रदर्शन किए गए।

विधानसभा के बाहर और सॉल्ट लेक, करुणामयी, चुचुड़ा (हुगली) में जीटी रोड और तामलुक (मेदिनीपुर) में प्रदर्शन हुए जहां भाजपा समर्थकों ने सड़कें जाम कर दीं, पार्टी के झंडे लहराए और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की। सड़क जाम की वजह से यातायात बाधित हो गया लेकिन बाद में पुलिस ने यातायात सामान्य करवा दिया।

इससे पहले दिन में भाजपा विधायकों ने विधानसभा से बहिर्गमन किया और आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी निष्पक्ष नहीं हैं और सदन में लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। बाद में भाजपा विधायकों ने परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा विधायक बंकिम घोष ने बार-बार बहिष्कार पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विधायकों को सदन में रहकर जनता की शिकायतों, खासकर स्वास्थ्य सेवा जैसे मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। अधिकारी द्वारा राजनीतिक हिंसा का हवाला देते हुए राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग किए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन हुआ।

वक्फ विधेयक असंवैधानिक, पारित हुआ तो अदालत में दी जाएगी चुनौती : आईयूएमएल नेता

नई दिल्ली/भाषा। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के सांसद ईटी मोहम्मद बशीर ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि वक्फ (संशोधन) विधेयक संसद में पारित हो जाता है, तो उनकी पार्टी समान विचारधारा वाले संगठनों के साथ मिलकर इसे अदालत में चुनौती देगी और ''असंवैधानिक'' कानून के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन भी चलाया जाएगा।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कई मुस्लिम संगठनों और सांसदों ने बीते सोमवार को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के तत्वावधान में यहां जंतर-मंतर पर वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लिया था। बशीर ने कहा, हमारी (विपक्ष की) रणनीति सबसे पहले संसद के अंदर इसका विरोध करने की होगी। जब इसे पेश किया गया था तो हमने इसका पुरजोर विरोध किया था। जब संसद की संयुक्त समिति की रिपोर्ट के बाद यह दोबारा पेश किया जाएगा तो हम इसके खिलाफ सख्त रुख अपनाएंगे और विधेयक के खिलाफ अपने पास मौजूद सभी शक्तियों का इस्तेमाल करेंगे। केरल के मलप्पुरम से लोकसभा सदस्य ने कहा कि विधेयक असंवैधानिक है।

लड़की का निजी अंग पकड़ना दुष्कर्म का मामला नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यौन अपराध के एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा है कि एक लड़की का निजी अंग पकड़ना और उसकी पायजामी का नाड़ा तोड़ना, आईपीसी की धारा 376 (दुष्कर्म) का मामला नहीं है, बल्कि ऐसा अपराध धारा 354 (बी) (किसी महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला) के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

यह आदेश दो व्यक्तियों द्वारा दायर एक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा ने पारित किया। इन आरोपियों ने कासगंज के विशेष न्यायाधीश द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती देते हुए यह पुनरीक्षण याचिका दायर की थी।

इस मामले के तथ्यों के मुताबिक, विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) की अदालत में आवेदन दाखिल करके आरोप लगाया था कि 10 नवंबर, 2021 को शिकायतकर्ता महिला 14 वर्षीय बेटी के साथ ननद के घर से लौट रही थी। दाखिल आवेदन में आरोप लगाया गया था महिला के गांव के ही रहने वाले पवन, आकाश और अशोक रास्ते में उसे मिले और पूछा कि वह कहां से आ रही है। इसके अनुसार जब महिला ने बताया कि वह ननद के घर से लौट रही है, तो उन्होंने बेटी को मोटरसाइकिल से घर छोड़ने की बात कही। इसके अनुसार महिला ने बेटी को उनके साथ जाने दिया। दाखिल आवेदन में आरोप लगाया था कि आरोपियों ने रास्ते में मोटरसाइकिल रोक दी और लड़की का निजी अंग पकड़ लिया और आकाश लड़की को खींचकर पुलिया के नीचे ले गया जहां उसने लड़की की पायजामी का नाड़ा तोड़ दिया। लड़की चीखने लगी और चीख सुनकर दो व्यक्ति वहां पहुंचे, जिसके बाद आरोपियों ने उन्हें तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और भाग गए।

खेलो इंडिया पैरा खेल शुरू, मांडविया ने खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को यहां दूसरे खेलो इंडिया पैरा खेल का उद्घाटन किया और कई चुनौतियों के बावजूद दृढ़ संकल्प दिखाने के लिए देश के पैरा खिलाड़ियों की सराहना की।

इन खेलों में देश भर के 1300 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें पेरिस पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज हरविंदर सिंह, क्लब थ्रोअर धरमबीर और खेल रत्न विजेता ऊंची कूद के एथलीट प्रवीण कुमार जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। इन खेलों का 27 मार्च को समापन होगा। मांडविया ने यहां खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान कहा, खेलो इंडिया ने धीरे-धीरे और लगातार अपना महत्व स्थापित किया। आज जब मैं यहां इन खिलाड़ियों को देख रहा हूं, तो मैं उनकी आंखों में कुछ कर गुजरने की ललक और विश्वास देखता हूं। हम वास्तव में सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, खेलो इंडिया ने देश को विश्वास दिलाया है, इसने प्रधानमंत्री को विश्वास दिलाया है कि इन खेलों, मंच ने हमें अपनी प्रतिभा सामने लाने में सक्षम बनाया है और हम किसी को निराश नहीं करेंगे। मांडविया ने पैरा खेलों में हुई प्रगति जिक्र करते हुए भारत के पेरिस पैरालंपिक में प्रदर्शन का हवाला दिया। भारत ने पिछले साल फ्रांस की राजधानी में 29 पदक जीते, जिनमें सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदक शामिल थे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण इन खिलाड़ियों का पेरिस पैरालंपिक में प्रदर्शन है। इन खिलाड़ियों ने देखा होगा कि उनसे कुछ छीन लिया गया है, लेकिन उन्होंने इसे कभी अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। खेल मंत्री ने कहा, मैं सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं। अच्छा प्रदर्शन करें। मैं अब खेलो इंडिया पैरा खेल 2025 की शुरुआत की घोषणा करता हूं। कार्यक्रम की शुरुआत पेरिस पैरालंपिक के कांस्य पदक विजेता धावक सिमरन शर्मा, खेल रत्न पुरस्कार विजेता प्रवीण कुमार, पेरिस के स्वर्ण विजेता शटलर नितेश कुमार और दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता धावक प्रीति पाल द्वारा खेल मंत्री को खेलों की मशाल सौंपने के साथ हुई।

सत्तापक्ष बाधित कर रहा दोनों सदनों की कार्यवाही : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सत्तापक्ष ही संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित कर रहा है और मंत्रालयों से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा नहीं करना चाहता।

द्रमुक सदस्यों के नारे लिखी टी-शर्ट पहनकर पहुंचने के बाद हुए हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई और कोई कामकाज नहीं हो सका। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, संसदीय लोकतंत्र की हत्या के लिए भाजपा का हथकंडा है कि एक मूर्खतापूर्ण, तुच्छ मुद्दा उठाएं और इसे कार्यवाही स्थगित करने के बहाना के रूप में उपयोग करें। सत्तापक्ष स्वयं संसद को बाधित कर रहा है और अहम मंत्रालयों से संबंधित चर्चा नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में, हम बार-बार व्यवधान के बजाय चर्चा के लिए सहमत हुए हैं, लेकिन सरकार खुद अपनी विफलताओं के बारे में, कठिन सवालों के जवाब देने और महत्वपूर्ण मंत्रालयों से संबंधित मामलों पर चर्चा करने से डरती है।

सुविचार

आप समुद्र के किनारे खड़े होकर और उसके जल को घूरकर पार नहीं कर सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अवैध धर्मांतरण का फैलता जाल

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा की गई यह घोषणा कि उनकी 'सरकार राज्य में अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए जल्द ही नया कड़ा कानून बनाएगी', स्वागत-योग्य है। अवैध धर्मांतरण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है, जिस पर अंकुश लगाने के लिए कड़ा कानून होना ही चाहिए। इसके साथ ही उसे सख्ती से लागू करना जरूरी है। आज छत्तीसगढ़ ही नहीं, सभी राज्यों में ऐसी घटनाएं देखने को मिल रही हैं। कहीं दु:ख-दर्द दूर करने के नाम पर सभाएं हो रही हैं, कहीं सिर्फ चमत्कारों के दम पर बीमारियां दूर की जा रही हैं, कहीं 'ऊपरी हवा' का असर दूर करने के लिए नारे लगवाए जा रहे हैं! क्या आधुनिक विज्ञान के युग में हम ऐसा समाज बनाना चाहेंगे? पूरे भारत में अलग-अलग नामों के साथ कई गिरोह काम कर रहे हैं, जिनके निशाने पर भोलेभाले और जरूरतमंद लोग हैं। वे किसी की बीमारी दूर करने का दावा करते हैं। किसी से कहते हैं कि हमारी शरण में आ जाएंगे तो सभी दु:खों से मुक्ति मिल जाएगी। कोई गिरोह थोड़ा अनाज और आर्थिक मदद देकर आस्था का सौदा कर रहा है। इससे समाज में टकराव भी पैदा हो रहा है। प्राय: जो लोग आर्थिक संकटों से घिरे रहते हैं, जिनके परिवारों में क्लेश, तनाव या बीमारी जैसी दिक्कतें हैं, वे ऐसे जाल में जल्दी फंस जाते हैं। उन्हें मीठी-मीठी बातें कर ऐसा 'घुमाया' जाता है कि वे अपना धर्म बदलने के लिए तैयार हो जाते हैं। पूर्व में ऐसी कई खबरें सामने आ चुकी हैं, जिनमें बताया गया कि जिन लोगों ने किसी कारणवश अपना धर्म बदला, उनके घरों में भारी झगड़ा हुआ। खासकर अपने परंपरागत त्योहारों को मनाने की बात आई तो उन्होंने इससे इन्कार कर दिया!

धर्मांतरण कराने वाले गिरोहों के लिए उन इलाकों में अपना सिक्का जमाना ज्यादा आसान होता है, जहां गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा ज्यादा हों। यही नहीं, जिन इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं अच्छी नहीं होतीं, वहां ऐसी कथित सभाएं खूब जोर पकड़ती हैं, जिनमें दावा किया जाता है कि वहां जाने से लाइलाज बीमारियां भी दूर हो जाएंगी। ऐसी गतिविधियां पूर्णत: अवैज्ञानिक हैं। हमारी संस्कृति में इनके लिए कोई जगह नहीं है। सोचें, अगर किसी सभा में जाने, बैठने और स्वीकार कर लेने भर से बीमारियां ठीक हो सकती हैं तो हमारे ऋषियों ने हजारों जड़ी-बूटियों पर शोध क्यों किया? आयुर्वेद में ऐसी एक-एक बूटी के दर्जनों नाम और गुण मिलते हैं। जब हमारे उन पूर्वजों ने इनका अध्ययन किया था तो कितना समय दिया होगा! वह एक महान तपस्या थी। प्राकृतिक चिकित्सा में पंच तत्त्वों के संतुलन और ऋतुचर्या पर बहुत जोर दिया गया है, ताकि हम स्वस्थ रहें, सुखी रहें। अवैज्ञानिक तौर-तरीकों और अंधविश्वासों में फंसने से बीमारी ठीक नहीं होती, बल्कि बढ़ती है। अब सोशल मीडिया पर अनेक लोग ऐसी घटनाओं का जिक्र करते मिल जाते हैं, जब किसी व्यक्ति ने अंधविश्वास के कारण इलाज कराने से मना कर दिया, जिससे उसकी ज़िंदगी खतरे में पड़ गई। एक व्यक्ति मधुमेह से पीड़ित था। उसे किसी कथित उपदेशक ने कह दिया कि 'अब तुम मेरी शरण में आ गए, लिहाजा तुम्हारे सभी संकट दूर हो जाएंगे, जो मर्जी हो, वह खाओ।' फिर क्या था, उस व्यक्ति ने अपना मनपसंद पकवान खूब खाया, जिससे उसका स्वास्थ्य बिगड़ गया। पंजाब में धर्मांतरण अलग ही स्तर पर पहुंच चुका है। वहां ऐसी कई सभाओं में 'कनेक्शन' का वीजा लगवाने, शादी कराने, नशा छुड़वाने, घर में सुख-शांति लाने और अन्य मनोकामनाएं पूरी करने के नाम पर 'अर्जियां' लगवाई जा रही हैं। ये गतिविधियां समाज को किस दिशा में लेकर जाएंगी? इस पर विशेषज्ञ कई बार चिंता जता चुके हैं। सरकार को इस ओर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

सुबह पीसीसी में विधायक अशोक चांदना, जाकिर हुसैन गैसावत, सुरेश गुर्जर , अनिता जाटव , पूर्व मंत्री नसीम अख्तर , प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष राखी गौतम , विधानसभा प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज एवं पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की।

-गोविंद सिंह डोटासरा

बीकानेर जिले के देशनोक में हुए भीषण सड़क दुर्घटना में 6 नागरिकों के निधन का समाचार अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें व असीम दु:ख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करें।

-दीया कुमारी

राजस्थान दिवस के अवसर पर किसान कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के मेलों का आयोजन तथा किसानों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत, अनुदान हस्तान्तरण किया जाएगा।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

पारदर्शिता से सम्मान

एक देवालय में भक्ति संगीत का कार्यक्रम चल रहा था। समारोह में श्रोता और भक्तगण भजनों का रसपान कर रहे थे। बांसुरी वादक बांसुरी को होंठों से सटाकर स्वरों का निष्पादन कर रहा था, साथ में ढोलकिया ढोलक को दनादन पीटे जा रहा था। ढोलक को इस बात की गहरी कसक थी कि छिद्रों से भरी बांस की पोली बांसुरी का इतना मान-सम्मान कि उसे होंठों से चूमकर बजाने की रीत और हमारी अच्छी भली कद काठी, दिखने में सुरूप और बुलन्द आवाज का धनी होने पर भी हमें निरन्तर हाथों, गुल्लों व डंडियों से इस कदर पीटा जाता है, मानो पिटना ही हमारी नियति हो। प्रभु यह पक्षपात क्यों? ढोलक की बात सुनी तो बांसुरी बोली, 'हम दोनों एक ही समाज के अंग हैं। एक-दूसरे के पूरक हैं। तुम्हारी पिटाई और मेरी मान जड़ाई में भी एक बात छिपी हुई है।' ढोलक बोला, 'कौन सी बात भला?' बांसुरी ने उत्तर दिया, 'मेरी कोई चीज छुपी नहीं है और मेरे दोनों सिरे खुले हैं। बीच-बीच में छेद हैं। मेरे अंदर वायु का जो स्पंदन आता है, उसे मैं तत्क्षण बाहर फेंक देती हूं। मेरी पारदर्शिता व त्याग के कारण मुझे इतना स्नेह और अपनापा मिला है।

सामयिक

ट्रम्प के टैरिफ से दुनिया में नया टेरर

ऋतुपर्ण दवे

मोबाइल - 9302640933

भारत समझता है कि ट्रंप जब कनाडा, यूरोपीय देशों और चीन को भी नहीं बख्श रहे तो भारतीय हितों व सम्मान की रक्षा खुद करनी होगी। वहीं ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस के पहले संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ऐतिहासिक भाषण दिया। इसमें भारत का नाम फिर उन देशों के साथ लिया जिन्होंने अपनी ऊंची शुल्क दर से नरम अमेरिकी नीति का फायदा उठाया। अमेरिका आगामी दो अप्रैल से इन देशों पर 'जैसे को तैसा ' या 'आंख के बदले आंख' की तर्ज पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा।

अमेरिका में इस बार चुनाव के दौरान ही ट्रंप के आक्रामक तेवर बता रहे थे कि वो न केवल नया कुछ करेंगे बल्कि सभी राष्ट्रपतियों से बड़ी लकीर खीचेंगे। 13 जुलाई 2024 को उन्हें मारने की कोशिश के दौरान चली गोली जो कान छूते निकली और पूरे चुनावी रुख को बदल डाला। कहीं मौत और ट्रंप के बीच का सेकेंड्स से भी कम का ये फासला ही सख्त तेवरों की वजह तो नहीं? उनके मुंह से तब निकले फाइट, फाइट, फाइट शब्द अब हकीकत में दुनिया के लिए चुनौती बन रहे हैं। ट्रंप कड़े और बड़े फैसले लेकर सबसे फाइट' कर रहे हैं। क्या उनका दूसरा कार्यकाल अमेरिका और दुनिया में नया इतिहास रचेगा? सबसे ज्यादा परेशानी और हैरानी उनकी हालिया टैरिफ घोषणाओं से है जो दुनिया में चिंता का सबब है।

आखिर टैरिफ है क्या? जिससे ट्रंप की घोषणा के बाद बड़ा वैश्विक भूचाल आया? यह दूसरे देशों से आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला टैक्स है। जिसका भुगतान आयातक करते हैं। किसी वस्तु पर 10 फीसदी टैरिफ का मतलब भारत से अमेरिका पहुंची 5 डॉलर की उस वस्तु पर 0.50 डॉलर का अतिरिक्त टैक्स है। इससे आयातित वस्तु का दाम बढ़ता है और खरीददार सस्ते घरेलू उत्पाद ढूंढने लगते हैं। नतीजन आयात करने वाले देश को अपनी अर्थव्यवस्था बढ़ाने में सहयोग मिलता है। लेकिन ट्रंप का नजरिया अलग है। वो इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था बढ़ाने, नौकरियों की रक्षा करने और कर राजस्व बढ़ाने के तौर पर देखते हैं।

दुनिया के अमीरों में शुमार दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट जिनके बारे में कहा जाता है कि वो दुनिया के शेयर बाजार की चाल को नियंत्रित करते हैं भी ट्रंप के इस कदम से नाखुश हैं। बफेट टैरिफ नीतियों को युद्ध जैसा कदम मानते हैं। महंगाई और उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंकाएं जताते हैं। इससे दीर्घकालीन अवधि में आर्थिक प्रभावों पर दुष्प्रभाव तथा आम उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंका जताते हैं। बफेट की टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ट्रंप के चीन, कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा के बाद आई। इससे ग्लोबल ट्रेड वॉर और बढ़ा जो निवेशकों की गहरी चिंता का सबब है।

टैरिफ पर अमेरिका और चीन आमने-सामने हैं। चीन चेतावनी दे चुका है कि वो इससे निपटने खातिर तैयार है। अमेरिकी दबाव का मुकाबला करेगा। चीनी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ते ही दुनिया की दो दिग्गज अर्थव्यवस्थाओं के मध्य व्यापार युद्ध के आसार झलकने लगे हैं। चीनी विदेश मंत्री वांग का बयान कि यदि कोई देश केवल अपने हित आगे बढ़ाने लगे तो दुनिया में जंगल का कानून लागू हो सकता है। उन्होंने याद दिलाया कि अमेरिका को फेंटेनाइल महामारी से निपटने में बीजिंग का सहयोग नहीं भूलना चाहिए। क्या वाशिंगटन इस उदारता का बदला अकारण टैरिफ बढ़ा ले रहा है? सच है कि चीन लंबे समय से विश्व का कारखाना बना हुआ है। 1970 के आखिर में जैसे ही चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था दुनिया के लिए खोली तबसे सस्ते श्रम और बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश के चलते ऊंचाइयां छूता चला गया। शायद ट्रंप को यही चीनी सफलता चुभ रही हो? दुनिया की निगाहें ट्रंप के टैरिफ युद्ध खासकर चीन की मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री पर है कि उसे कितना नुकसान पहुंच सकता है।

दूसरी ओर ट्रंप इस बार अपने व्यापारी मित्रों, सहयोगियों और सलाहकारों से ज्यादा घिरे दिखते हैं। टैरिफ उनके इकोनॉमिक प्लान्स का हिस्सा है। इससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार बढ़ेंगे। गौरतलब है कि उनके खास मित्र एलेन मस्क भारत में संभावनाओं को खोज ही रहे थे कि ट्रंप की सत्ता वापसी हुई। माना कि मस्क की टेस्ला कार की कीमत एक करोड़ होगी उस पर भारत में उतना ही टैरिफ लगेगा जिससे यहां कीमत दो करोड़ हो जाएगी। यदि दबाव के चलते कहीं शून्य टैरिफ वाली स्थिति बनी तो वही कार एक करोड़ में भारत में मिलेगी। इससे भारतीय कार बाजार को जबरदस्त चुनौती तय है।

यकीनन बात बहुत बिगड़ चुकी है। भारत समझता है कि ट्रंप जब कनाडा, यूरोपीय देशों और चीन को भी नहीं बख्श रहे तो भारतीय हितों व सम्मान की रक्षा खुद करनी होगी। वहीं ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस के पहले संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ऐतिहासिक भाषण दिया। इसमें भारत का नाम फिर उन देशों के साथ लिया जिन्होंने अपनी ऊंची शुल्क दर से नरम अमेरिकी नीति का फायदा उठाया। अमेरिका आगामी दो अप्रैल से इन देशों पर 'जैसे को तैसा' या 'आंख के बदले आंख' की तर्ज पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा। जो देश जितना टैरिफ अमेरिकी कंपनियों पर लगाएगा, अमेरिका भी उतना ही अपने यहां लगाएगा। इससे भारतीय एक्सपोर्ट महंगा होगा। खाद्य पदार्थ, टेक्सटाइल्स, कपड़े, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, जेम्स एंड ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोबाइल सामग्रियां अमेरिकी बाजार में महंगी होंगी। नतीजन भारतीय उत्पाद वहां अभी जैसे नहीं टिक पाएंगे।

1951 में अमेरिकी संविधान में 22वें संशोधन के बाद कोई भी व्यक्ति दो बार राष्ट्रपति रह सकता है। ट्रंप आखिरी टर्म में वो कर गुजरना चाहते हैं जो इतिहास बने। वहीं उनके व्यापारी मित्र अपने व्यापारिक हितों में लिपटे दिखते हैं। ट्रंप की मंशा को समझना आसान भी नहीं क्योंकि वो खुद नहीं जानते कि अगले पल क्या कर गुजरेंगे? जिद्दी ट्रंप किसी मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को नहीं मानते। न यही बताते कि पुराने अमेरिकी प्रशासनों ने ऐसे देशों को क्यों ऊंची दर से शुल्क लगाने दिया। वो अड़ी में हैं। हाल ही में व्हाइट हाउस में ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच प्रेस कांफ्रेन्स के दौरान कैमरों पर जो अप्रिय विवाद दिखा उसकी चहुंओर निंदा हुई। शांति की कीमत के बदले ट्रंप की यूक्रेनी खनिज भंडारों पर कब्जे की मांग यकीनन निंदनीय है। ट्रंप की नीयत ही बदनीयत लगती है। कहीं वो दुनिया को नए ट्रेड वार में धकेल उससे भी कमाने का रास्ता तो नहीं खोज रहे?

ज्ञान विज्ञान

मंगल ग्रह लाल क्यों है? वैज्ञानिकों ने किया खुलासा

मंगल हमारे सौर मंडल में सूर्य से चौथा ग्रह है। यह केवल बुध से बड़ा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मंगल ग्रह पर पानी मौजूद है। यह ग्रह अपने अनोखे रंग के कारण शुरू से ही इंसानों के लिए आकर्षण का विषय रहा है। अपने जंग लगे रंग के कारण इसे 'लाल ग्रह' का उपनाम दिया गया है। लेकिन, सवाल उठता है कि आखिर इस ग्रह को लाल रंग किस वजह से मिला है। आइए जानते हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों का मानना है कि मंगल ग्रह का रंग उसकी सतह पर मौजूद जंग के रंग की धूल के कारण है। इसे फेरिहाइड्राइट कहा जाता है। यही धूल मंगल ग्रह को लाल रंग प्रदान करती है। इसका खुलासा मंगल ग्रह पर भेजे गए अंतरिक्ष यान और लैंडर से मिले डेटा के आधार पर किया गया है। उन्होंने बताया कि पृथ्वी पर होने वाली रासायनिक प्रक्रिया की तरह, जब जब चट्टानों में मौजूद लोहा पानी या पानी और मंगल के वायुमंडल में मौजूद ऑक्सीजन के साथ मिला, तो इससे आयरन ऑक्साइड बना।

इसके बाद मंगल ग्रह की हवाओं ने अरबों साल में आयरन ऑक्साइड को पूरे ग्रह पर फैलाया

और इसे धूल में बदल दिया। इस कारण मंगल ग्रह को इसका खास लाल रंग मिला। चूंकि मंगल पर अब तरल पानी नहीं है, इसलिए वैज्ञानिकों का पहले मानना था कि इसका जंग-लाल रंग धूल में मौजूद हेमेटाइट जैसे सूखे आयरन ऑक्साइड की वजह से है। हालांकि, सैटेलाइट डेटा और प्रयोगशाला प्रक्रियाओं के नए विश्लेषण के अनुसार, ग्रह के लाल रंग के लिए फेरिहाइड्राइट एक बेहतर व्याख्या हो सकती है।

यूएसए टुडे के अनुसार ब्राउन यूनिवर्सिटी में पृथ्वी, पर्यावरण और ग्रह विज्ञान विभाग में एक प्रमुख लेखक और पोस्टडॉक्टरल फेलो एडोमास वैलंटिनस ने कहा, मंगल ग्रह लाल क्यों है, इस मूलभूत प्रश्न पर सैकड़ों, यदि हजारों नहीं, वर्षों से विचार किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, मंगल ग्रह अभी भी लाल ग्रह है। बस इतना है कि मंगल ग्रह लाल क्यों है, इस बारे में हमारी समझ बदल गई है। मंगल ग्रह की धूल के एक प्रमुख घटक के रूप में फेरिहाइड्राइट की पहचान मंगल ग्रह के अतीत और अलौकिक जीवन की संभावना के बारे में हमारे ज्ञान के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हो सकती है।

वैलंटिनस के अनुसार, मंगल ग्रह पर फेरिहाइड्राइट का अस्तित्व यह दर्शाता है कि ग्रह पर मूल रूप से एक तरल जल वातावरण था, जो जीवन के लिए आवश्यक है। अध्ययन के सह-लेखक जैक मस्टर्ड ने कहा कि शोध एक रहस्य से पर्दा हटाने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हालांकि परिणाम उत्साहजनक थे, लेकिन उन्हें केवल मंगल ग्रह से लिए गए वास्तविक नमूनों से ही सत्यापित किया जा सकता है। नासा का पर्सिवियरेंस रोवर अब इन्हें एकत्रित कर रहा है, और जब यह पृथ्वी पर वापस आएगा, तो वैज्ञानिक इस बात की पुष्टि कर सकेंगे कि फेरिहाइड्राइट का विचार सही है या नहीं।

नजरिया

बिहार के भूभाग का पश्चिम बंगाल को हस्तांतरण अनुचित

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

सन 1947 में भारत विभाजन के समय पश्चिम बंगाल के दिनाजपुर एवं जलपाईगुड़ी के कुछ हिस्से पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) को हस्तांतरित कर दिए गए। परिणामस्वरूप पश्चिम बंगाल दो अलग-अलग हिस्से में बँट गया। पश्चिम बंगाल सरकार ने दोनों हिस्से को जोड़ने हेतु बिहार राज्य के तत्कालीन पूर्णिया जिले के पूर्वी हिस्से तथा उसमें पड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) को बंगाल को हस्तांतरित करने हेतु केन्द्र सरकार से अनुरोध किया। पश्चिम बंगाल सरकार के दावे को स्वीकार करते हुए राज्य पुनर्गठन आयोग ने महानंदा नदी के पूर्व स्थित किशनगंज अनुमंडल के हिस्से को तथा गोपालपुर राजस्व थाना के राष्ट्रीय राजमार्ग तक के हिस्से को पश्चिम बंगाल को हस्तांतरित करने की अनुशंसा कर दी। इसके उपरान्त भी बंगाल के दो हिस्से पूरी तरह नहीं जुड़ पाये।

आयोग द्वारा मामले पर पुनर्विचार के उपरान्त निर्णय लिया गया कि पूर्णिया जिले के किशनगंज अनुमंडल और गोपालपुर थाना के राष्ट्रीय राजमार्ग की पूरी लम्बाई पश्चिम बंगाल सरकार को हस्तांतरित की जाय। तदनुसार सीमा-रेखा निर्धारण हेतु बिहार एवं बंगाल (क्षेत्र हस्तांतरण) अधिनियम 1950 की धारा 3 प्रख्यापित की गई- (1) पूर्णिया जिले के किशनगंज अनुमंडल के सीमा रेखा के पूर्वी हिस्से पश्चिम बंगाल राज्य में शामिल होंगे, तथा (2) दालकोला , किशनगंज एवं चोपड़ा को दार्जिलिंग जिलान्तर्गत सिलीगुड़ी को जोड़नेवाले राजमार्ग के पश्चिम तथा पश्चिम दिनाजपुर जिले के रायगंज को दालकोला और करणदिघी से जोड़ने वाले राजमार्ग के दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम के दो सौ गज पर सीमारेखा निर्धारित होगी। नगरपालिका क्षेत्र में उसकी पूर्वी सीमा हीं सीमा-रेखा मानी जाएगी।

7 सितम्बर 1956 को भारतीय राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के द्वारा सीमा रेखा निर्धारण हेतु वी. विश्वनाथन, आईसीएस को विशेष आयुक्त नियुक्त किया गया। विश्वनाथन के प्रतिवेदन के आधार पर बिहार राज्य के तीन राजस्व थाना के 759 वर्गमील क्षेत्र, 913 गांव तथा तत्कालीन 2,77,288 की जनसंख्या पश्चिम बंगाल राज्य को 1 नवम्बर 1956 की तिथि से हस्तांतरित कर दी गयी। इसमें ईस्लामपुर थाना क्षेत्र के तीन पुलिस स्टेशन क्रमशः ठाकुरगंज (58 वर्गमील क्षेत्र, 12 गांव, 14357 आबादी), चोपड़ा (158 वर्गमील क्षेत्र, 124 गांव, 52949 आबादी), ईस्लामपुर (139 वर्गमील क्षेत्र, 123 गांव, 59652 आबादी), किशनगंज थाना क्षेत्र के दो पुलिस स्टेशन क्रमशः किशनगंज (180 वर्गमील क्षेत्र, 285 गांव, 66810 आबादी), गोलपोखर (73 वर्गमील क्षेत्र, 95 गांव, 36028 आबादी) तथा गोपालपुर राजस्व थाना के करणदिघी पुलिस स्टेशन के 151 वर्गमील क्षेत्र, 269 गांव, 47492 आबादी शामिल हैं।

12 जनवरी 1961 को बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित सीमा रेखा निर्धारण के अंतिम परिणाम के अनुसार पूर्व निर्धारित क्षेत्र में कतिपय संशोधन परिलक्षित हुए। राजस्व थाना ईस्लामपुर के कुल 336.40 वर्गमील क्षेत्र, किशनगंज के 246.79 वर्गमील तथा गोपालपुर के 149.69 वर्गमील यानी कुल 732.88 वर्गमील क्षेत्र, 906 गांव और 2,70,666 आबादी बिहार से पश्चिम बंगाल को हस्तांतरित किए गए। इनमें ठाकुरगंज पुलिस स्टेशन के 12 गांव एवं 14357 आबादी, चोपड़ा पुलिस स्टेशन के 124 गांव एवं 52858 आबादी, ईस्लामपुर पुलिस स्टेशन के 120 गांव एवं 57317 आबादी, किशनगंज पुलिस स्टेशन के 286 गांव एवं 63743 आबादी, गोलपोखर पुलिस स्टेशन के 94 गांव एवं 35226 आबादी तथा करणदिघी पुलिस स्टेशन के 270 गांव एवं 47165 आबादी शामिल हैं।

एक बड़े भूभाग को केन्द्र सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल को हस्तांतरित कर दिए जाने के कारण बिहार सरकार को तत्कालीन किशनगंज एवं कटिहार अनुमंडल के अनेक पुलिस स्टेशन के क्षेत्र का पुनर्निर्धारण करना पड़ा। ईस्लामपुर एवं चोपड़ा के बचे क्षेत्रों को मिलाकर पोठिया पुलिस स्टेशन तथा करणदिघी के बचे क्षेत्र को मिलाकर बलरामपुर पुलिस स्टेशन स्थापित किया गया। उपरोक्त प्रक्रिया में पश्चिम बंगाल के दो हिस्से तो एक साथ जुड़ गए, पर बिहार के कुछ क्षेत्र दो भागों में विभक्त हो गए। पूर्णिया से किशनगंज जाने के क्रम में बिहार के लोगों को दालकोला से किशनगंज की सीमा तक बंगाल के क्षेत्र से गुजरना पड़ रहा है। साथ हीं बिहार के जिन हिस्सों को पश्चिम बंगाल को हस्तांतरित किया गया, वहां के नागरिकों को बंगाली संस्कृति, भाषा, बोली आदि की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

राज्य पुनर्गठन आयोग की अनुशंसा के आलोक में भारत सरकार के द्वारा सन पचास के दशक में बिहारी क्षेत्र को पश्चिम बंगाल को हस्तांतरित किया जाना भेदभावपूर्ण था। तत्कालीन कांग्रेसी राज्य सरकार एवं राजनैतिक व सामाजिक नेतृत्व के द्वारा किसी प्रकार का विरोध नहीं होना और भी दुर्भाग्यपूर्ण था। आज की तिथि में बेहतर स्थिति यह होगी कि बिहार के जिन क्षेत्रों को पश्चिम बंगाल को हस्तांतरित किया गया है, उन्हें पुनः वापस कर दिया जाय तथा दार्जिलिंग एवं सिक्किम को मिलाकर एक बृहद राज्य बना दिया जाय। इससे पश्चिम बंगाल से अलग राज्य हेतु गोरखा आंदोलन एवं सभी प्रकार की समस्याओं से भी स्थायी रूप से निजात पाया जा सकेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

चीन के साथ व्यापार घाटा कम करने में भारत की मदद को तैयार ताइवानः उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

नई दिल्ली/भाषा। ताइवान के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) सु चिन शू ने बृहस्पतिवार को कहा कि ताइवान चीन से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात को कम करने में भारत की मदद कर सकता है और सेमीकंडक्टर क्षेत्र समेत विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने का सबसे अच्छा तरीका मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करना होगा।

सु चिन शू ने 'पीटीआई-भाषा' से एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि व्यापार समझौते से उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में ताइवान की कंपनियों के लिए भारत में अधिक निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा और इससे ''उच्च शुल्क'' को कम करने में मदद मिलेगी। भू-राजनीति पर भारत के प्रमुख सम्मेलन 'रायसीना डायलॉग' में भाग लेने और वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के साथ वार्ता के लिए राष्ट्रीय राजधानी आए सु चिन शू ने कहा कि ताइवान की प्रौद्योगिकी और जनसांख्यिकी के मामले में भारत के लाभ की स्थिति के मद्देनजर भारत में उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों का उत्पादन किया जा सकता है जिससे भारत को चीन से आयात कम करने में मदद मिलेगी। सु चिन शू ने कहा, मुझे लगता है कि खासकर आर्थिक सहयोग के मामले में संबंधों के विस्तार की काफी संभावनाएं हैं।

ताइवान के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि भारत विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का चीन से आयात करने के बजाय उनका संयुक्त उत्पादन करके चीन के साथ अपने ''बड़े'' व्यापार घाटे को कम कर सकता है। उन्होंने कहा, इनमें से अधिकतर आईसीटी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) उत्पाद हैं और हमारे नजरिये से उनके उत्पादन की भारत में बहुत संभावना है।

वेब सीरीज 'दुपहिया' की तुलना 'पंचायत' से करने पर गदगद हुईं डाइरेक्टर सोनम नायर

मुंबई/एजेन्सी

डायरेक्टर सोनम नायर ने अमेजन प्राइम पर हाल ही रिलीज हुई अपनी वेब सीरिज 'दुपहिया' की तुलना 'पंचायत' से किए जाने पर खुशी जताई। वह 'दुपहिया' की तुलना सफल सीरीज 'पंचायत' से करने को प्रशंसा मानती हैं। डायरेक्टर सोनम नायर ने कहा, हमें लगा कि दोनों शो गांव पर आधारित हैं, इसलिए दोनों की तुलना की जा सकती है, लेकिन हम यह भी जानते थे कि समानताएं यहीं खत्म हो जाती हैं। हम बहुत सम्मानित महसूस करते हैं कि हमारी तुलना एक सफल शो से की जा रही है, यह एक तारीफ है और मुझे उम्मीद है कि उनके प्रशंसक 'दुपहिया' के भी प्रशंसक बनेंगे।

नायर ने कला के एक पुराने रूप 'लौंडा नाच' के बारे में भी बात की। बताया कि उन्होंने इसे कैसे संभाला। उन्होंने कहा, हम 'फोटुआ' को उसी तरह से पेश करना चाहते थे, जैसे कोई बड़ी फिल्म एक आइटम सॉन्ग को करती है। हम भाग्यशाली थे कि हमें गणेश आचार्य सर मिले, जिन्होंने इसे कोरियोग्राफी किया।

उन्होंने कहा, लड़कों ने दिल खोलकर डांस किया है। मेरे लिए यह किसी भी आइटम सॉन्ग जितना ही अच्छा है और फिर भी यह आइटम सॉन्ग की अवधारणा को पूरी तरह बदल देता है। दक्षिण भारत से आने वाली सोनम नायर के लिए हिंदी पट्टी (हार्डकोर हिंदी क्षेत्र) पर आधारित सीरीज का निर्देशन करना कितना मुश्किल था?

निर्देशक ने कहा, मेरे खून में केरल, पंजाब और यहां तक कि बर्मा भी है और मैं बंगाल के एक छोटे से शहर में पली-बढ़ी हूं। इसलिए मुझे लगता है कि मैं अपने देश के हर कोने से ताल्लुक रखती हूं। उन्होंने कहा, इस सीरीज के लिए मैंने सभी अभिनेताओं के साथ बोली सीखने का काम किया और यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रेकी (सर्वेक्षण) और तैयारी का काम किया कि सीरीज वास्तविक लगे। अब जब बिहार के लोग कह रहे हैं कि यह उन्हें सच्चा लगता है, तो मुझे बहुत खुशी होती है।

बता दें कि वेब सीरिज 'दुपहिया' में रेणुका शहाणे के साथ गजराज राव भी हैं। धड़कपुर के काल्पनिक गांव में सेट की गई इस सीरीज में गजराज, रेणुका, भुवन अरोड़ा, स्पर्श श्रीवास्तव, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज सलोना बैंस जोशी और शुभ शिवदासानी द्वारा उनकी कंपनी बॉम्बे फिल्म कार्टेल के तहत बनाई गई। सीरीज का निर्देशन सोनम नायर ने किया है और इसे अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग ने लिखा है।

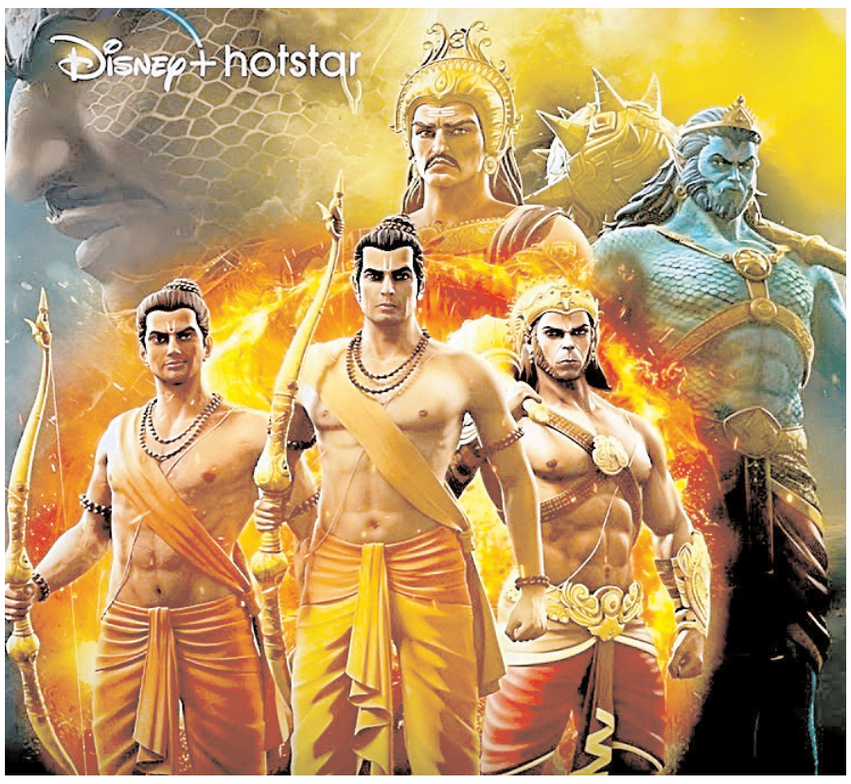

'द लीजेंड ऑफ हनुमान सीजन 6' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

द लीजेंड ऑफ हनुमान सीजन 6 का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इस हनुमान जयंती पर, द लीजेंड ऑफ हनुमान अपने बहुप्रतीक्षित सीज़न 6 के साथ वापस आ रहा है, जो रामायण के सबसे प्रतिष्ठित और भावनात्मक रूप से भरे हुए क्षणों में से एक को जीवंत करता है। द लीजेंड ऑफ हनुमान के सह-निर्माता और कार्यकारी निर्माता, ग्राफिक इंडिया के सह-संस्थापक और सीईओ शरद देवराजन ने कहा, द लीजेंड ऑफ हनुमान का सीजन 6 सिर्फ तलवारों और ताकत की लड़ाई नहीं है, बल्कि मन की लड़ाई है, क्योंकि रावण धोखे और रणनीति के जरिए राम की भावना को तोड़ना चाहता है। हनुमान की नवीनतम खोज भक्ति, भाग्य और मानवीय भावना की हमारी कहानी को जारी रखती है, न केवल एक योद्धा के रूप में, बल्कि आशा के प्रतीक के रूप में। हमें जियोहॉटस्टार के साथ इस सीरीज़ को जारी रखने और भारतीय एनिमेशन की सीमाओं को आगे बढ़ाने का सम्मान है, यह साबित करते हुए कि हमारी पौराणिक कथाएँ सिर्फ अतीत की कहानियाँ नहीं हैं, बल्कि कालातीत महाकाव्य हैं जो हमें आज और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरित करती हैं। द लीजेंड ऑफ हनुमान के नए सीजन में रावण की आवाज देने वाले अभिनेता शरद केलकर ने कहा,द लीजेंड ऑफ हनुमान में रावण का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय यात्रा रही है और सीजन 6 उनके किरदार को एक नए स्तर पर ले जाता है। इस बार, लड़ाई सिर्फ़ क्रूर ताकत के बारे में नहीं है, बल्कि बुद्धि और रणनीति के बारे में भी है। रावण एक मास्टर मैनिपुलेटर है और उसके दिमाग के खेल पहले से कहीं ज़्यादा ख़तरनाक हैं क्योंकि वह राम को मात देने और सबसे ज़्यादा चोट पहुँचाने वाली जगह पर वार करने की कोशिश करता है। इस शक्तिशाली और जटिल किरदार को आवाज़ देना एक रोमांचक अनुभव रहा है और मैं दर्शकों को इस नए सीजन में सामने आने वाली गहराई, तीव्रता और नाटक को देखने के लिए उत्सुक हूं। द लीजेंड ऑफ हनुमान सीजन 6, इस हनुमान जयंती पर, 12 अप्रैल से सिर्फ़ जियोस्टार पर स्ट्रीम होगा।

बिल गेट्स ने स्टार्टअप के बनाए गए कीटनाशक 'स्प्रेयर' पर आजमाया हाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)/भाषा। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेटस ने एक स्टार्टअप के नए कीटनाशक 'स्प्रेयर' पर अपना हाथ आजमाया है। स्टार्टअप द्वारा विकसित यह कीटनाशक 'स्प्रेयर' किसानों के लिए एक अधिक सुविधाजनक और कुशल विकल्प है, जिससे उन्हें एक समय में अधिक फसलों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

इस 'स्प्रेयर' को स्थानीय इंजीनियर योगेश गावंडे ने तैयार किया है।

गावंडे ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में इस उत्पाद के निर्माण के लिए 2019 में एक कंपनी का गठन किया था।

बिल गेटस ने 17 मार्च को नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में गावंडे की उपस्थिति में 'स्प्रेयर' चलाने का प्रयास किया।

मराठवाड़ा एक्सेलरेटर फॉर ग्रोथ एंड इनक्यूबेशन काउंसिल (मैजिक) कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बुधवार को गवांडे ने कहा, मैंने पहली बार अपने इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के दौरान एक प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में 'स्प्रेयर' बनाया था। उन्होंने बताया कि इस 'स्प्रेयर' की मदद से किसानों को कीटनाशकों के छिड़काव के लिए भारी रासायनिक टैंक को अपनी पीठ पर ढोने की जरूरत नहीं है। पहियों पर चलने वाले इस अभिनव उपकरण की मदद से अब वे एक ही समय में फसलों की चार पंक्तियों पर रसायनों का छिड़काव कर सकते हैं।

गावंडे ने बताया कि बड़े पेड़ों को पर छिड़काव के लिए इसके 'नोज़ल' की ऊंचाई 12-14 फुट तक बढ़ाई-घटाई जा सकती है। 'नोज़ल' का दबाव समायोज्य है और इसलिए दबाव के कारण फसल को नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, मैंने पहले इस स्प्रेयर को छत्रपति संभाजीनगर के पैठण में चिट्टेपिंपलगांव (गावंडे का पैतृक गांव) के पास एक राजमार्ग पर बेचने की कोशिश की थी। इसके बाद, मैंने इसे आगे बनाने का विचार छोड़ दिया क्योंकि उत्पाद की सराहना तो हुई, लेकिन इसे व्यवसाय में नहीं बदला जा सका।

गावंडे ने बताया कि उन्हें बाद में 'मैजिक' से मदद मिली, जिसके बाद उन्होंने अपनी कंपनी शुरू की। उन्होंने कहा, मेरे पास अब एक इकाई है और 'स्प्रेयर' 22 भारतीय राज्यों में बेचा जाता है। हमें केन्या और नामीबिया जैसे अफ्रीकी देशों से भी ऑर्डर मिलने लगे हैं।

गवांडे ने कहा, मैं गेटस फाउंडेशन से जुड़ा हुआ हूं। जब बिल गेटस भारत आए तो मेरे उत्पाद को उनके सामने प्रस्तुत करने के लिए चुना गया। उन्होंने हमें पांच-सात मिनट दिए और स्प्रेयर पर भी हाथ आजमाया। उन्होंने 'स्प्रेयर' के काम करने के तरीके के बारे में कई सवाल भी पूछे।

मैजिक के निदेशक प्रसाद कोकिल और आशीष गरदे ने कहा कि यह उनके संगठन तथा शहर के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि यहां के उत्पादों को विश्व स्तर पर पहचान मिल रही है।

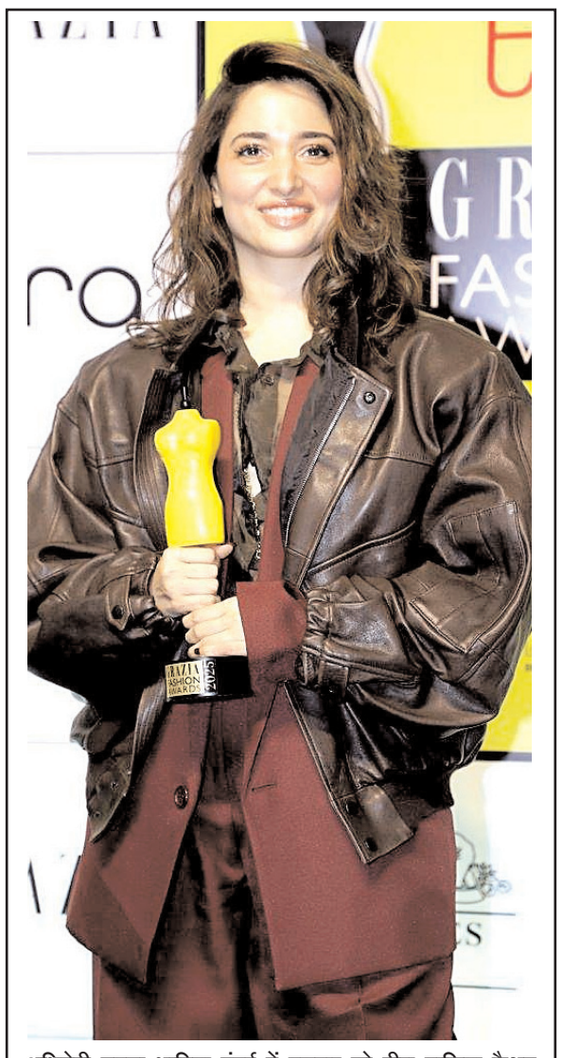

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मुंबई में गुरुवार को टीरा ग्राज़िया फैशन अवार्ड्स 2025 में शामिल हुईं।

'महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से सम्मानित हुए कार्तिक आर्यन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन को फिल्म 'चंदू चैंपियन' में मुरलीकांत पेटकर के दमदार किरदार के लिए 'महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर 2025' अवॉर्ड से नवाजा गया है।

मुरलीकांत पेटकर के रोल के जरिए कार्तिक ने महाराष्ट्र के इस अनदेखे हीरो की प्रेरणादायक कहानी को बड़े पर्दे पर उतारा, जिन्होंने भारत के लिए पहला पैरालंपिक गोल्ड मेडल जीता था। कार्तिक की इस भूमिका के प्रति समर्पण, ट्रांसफॉर्मेशन और मेहनत ने न सिर्फ पेटकर की मजबूती और जज्बे को शानदार तरीके से पेश किया, बल्कि उनकी शानदार कहानी को एक बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाया। इस अवॉर्ड के साथ कार्तिक ने न सिर्फ अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया, बल्कि महाराष्ट्र के गौरव को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

अवॉर्ड मिलने के बाद कार्तिक आर्यन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर 2025 अवॉर्ड पाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है।

ये मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का पल है। मैं भले ही ग्वालियर से हूं, लेकिन मुंबई मेरी कर्मभूमि है।इस शहर ने मुझे मेरा नाम, शोहरत, घर और आज जो कुछ भी है, सबकुछ दिया है। बचपन से मेरा सपना था कि मैं एक्टर बनूं और मुंबई आऊं, और यही फैसला मेरी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बन गया। जैसे भगवद गीता में कहा गया है कि इंसान को सिर्फ अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, फल की चिंता नहीं करनी चाहिए। 'लोकमत महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर' जैसे अवॉर्ड्स इस विश्वास की पुष्टि करते हैं, और मैं आगे भी पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने काम में जुटा रहूंगा।

चंदेरी शहर में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देंगी कृतिका कामरा

मुंबई/एजेन्सी

जानीमानी अभिनेत्री कृतिका कामरा मध्य प्रदेश के चंदेरी शहर में ऐतिहासिक कला रूपों के संरक्षण और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देंगी। कृतिका कामरा जल्द ही अपने गृहनगर मध्य प्रदेश जाएंगी, जहां वे उन महिला कारीगरों से मुलाकात करेंगी, जो उनके 2024 में शुरू किए गए अनोखे फैशन पहल का अहम हिस्सा हैं। यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और पारंपरिक कला को संरक्षित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। कृतिका का मानना है कि हमें उन लोगों का समर्थन करना चाहिए, जो हमारी रचनात्मक दृष्टि को साकार करने में मदद करते हैं। कृतिका अपने इस सफर में उन हुनरमंद महिला कारीगरों के साथ समय बिताएंगी, जिन्होंने उनके इस पहल को निरंतर सहयोग दिया है। वे इस बात को अच्छी तरह समझती हैं कि ज़मीनी स्तर की प्रतिभाओं को अवसर देना और उनके योगदान को पहचानना कितना महत्वपूर्ण है, खासकर हथकरघा और कपड़ा उद्योग में, जिसका चंदेरी, मध्य प्रदेश से गहरा जुड़ाव है।

कृतिका कामरा ने कहा,मध्य प्रदेश मेरे दिल के बहुत करीब है। यह सिर्फ मेरा गृहनगर नहीं है, बल्कि यही वह जगह है जहां से मुझे अपने एथनिक वियर के लिए प्रेरणा मिलती है। मैं हमेशा से अपने राज्य के लोगों, खासकर महिला कारीगरों, की किसी न किसी तरह मदद करना चाहती थी। मेरी सफलता में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। उनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिभा को पहचानना और उनकी सराहना करना मेरा कर्तव्य है। यह यात्रा सिर्फ उनसे मिलने के लिए नहीं, बल्कि उनकी प्रेरणादायक कहानियों से सीखने और उनसे एक मज़बूत रिश्ता बनाने के लिए भी है। कृतिका कामरा ने कहा, मेरी मां मध्य प्रदेश से हैं, इसलिए इस राज्य और यहां के लोगों से मेरा एक व्यक्तिगत और गहरा जुड़ाव है। बचपन से ही मेरी माँ ने मुझे चंदेरी की खूबसूरती, इसके लोगों और यहां की पारंपरिक हथकरघा कला से परिचित कराया। जब हमने इस पहल की शुरुआत की थी, तब हमारा सबसे बड़ा उद्देश्य महिलाओं को रोज़गार देना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और उनके काम को एक नया मंच देना था। हम लगातार यह प्रयास कर रहे हैं कि ज़्यादा से ज़्यादा महिलाओं को रोज़गार मिले, उन्हें उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिले और उनका जीवन स्तर ऊँचा हो सके। एक अभिनेत्री के रूप में, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें अपने माध्यम का उपयोग अगली पीढ़ी की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए करना चाहिए। जैसे-जैसे हमारी पहल आगे बढ़ेगा, हम और अधिक महिलाओं को इससे जोड़कर उन्हें सशक्त करने का प्रयास करेंगे। कृतिका की यह पहल पारंपरिक हथकरघा कला को एक आधुनिक रूप में प्रस्तुत करती है, और वह इसकी हर प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से गहरी रुचि रखती हैं।

अमरूद बेचने वाली महिला से प्रेरित हुईं प्रियंका चोपड़ा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के लिए बुधवार का दिन बहुत प्रेरणादायक रहा। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि उनकी मुलाकात सड़क पर अमरूद बेचने वाली एक महिला से हुई, जो ईमानदार थी और उसने चैरिटी लेने से इंकार कर दिया। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने घटना के बारे में जिक्र किया, जिसमें वह एक अमरूद बेचने वाली महिला या वर्किंग वूमन की ईमानदारी से प्रेरित एक किस्सा सुनाती नजर आईं। क्लिप में प्रियंका प्रेरणादायक कहानी सुनाती हुई सुनाई दे रही हैं। अभिनेत्री वीडियो में कहती नजर आईं, मैं ऐसा अक्सर नहीं करती, लेकिन आज मैं बहुत प्रेरित हुई। मैं न्यूयॉर्क जाने के लिए मुंबई से विशाखापट्टनम एयरपोर्ट जा रही थी और मैंने इस महिला को अमरूद बेचते हुए देखा। उन्होंने आगे बताया, मुझे अमरूद बहुत पसंद हैं, इसलिए मैंने उसे रोका और पूछा कि सारे अमरूद कितने के हैं और उसने कहा '150 रुपये', तो मैंने उसे 200 रुपये दिए और वह मुझे छुट्टे पैसे देने की कोशिश कर रही थी, तो मैंने कहा आप प्लीज इसे रख लीजिए, मगर उसने ऐसा नहीं किया। प्रियंका ने आगे कहा, वह अमरूद बेचती थी और उसके पास कैश नहीं था, तो उसे लेने के लिए वह थोड़ी देर के लिए कहीं चली गई और लाल बत्ती के हरे होने से पहले (ट्रैफिक खुलने से पहले) वह वापस आ गई और उसने मुझे दो और अमरूद दिए। वह फ्री में पैसे नहीं चाहती थी। वास्तव में मैं इससे बहुत प्रभावित हुई। उन्होंने सेट से कुछ झलकियां, एयरपोर्ट तक की अपनी ड्राइव और एक साइन बोर्ड की तस्वीर के साथ खरीदे गए अमरूदों की तस्वीरें भी शेयर की। तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, हाल ही में और साथ में एक दिल वाला इमोजी भी लगाया। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका अपनी बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट, 'एसएसएमबी29' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

'आरआरआर' फेम एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी 'एसएसएमबी29' की बात करें तो इस प्रोजेक्ट में महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में महेश बाबू की भूमिका भगवान हनुमान से प्रेरित बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह प्रोजेक्ट 900-1,000 करोड़ रुपये के बड़े बजट में दो भागों में बनकर तैयार होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 21-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

गुरुवार को चामराजपेट स्थित एसएलवी अपार्टमेंट में आयोजित पार्श्व-पद्मावती महापूजन और मणिभद्र-घंटाकर्ण वीर अनुष्ठान के अवसर पर श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन परंपरा में अनेक प्रचीन मंत्र, यंत्र, चित्र, मूर्तियों और पूजन-अनुष्ठानों की अमूल्य विरासत आज भी सुरक्षित है।

बाल कहानी संग्रह 'सिद्धू बन गया जादूगर' महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । रोचिका अरुण शर्मा के बाल कहानी संग्रह सिद्धू बन गया जादूगर को महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2024-25 के सोहन लाल द्विवेदी बाल साहित्य (कांस्य) पुरस्कार प्राप्त हुआ। मुंबई के बांद्रा स्थित रंगशारदा ऑडिटोरियम में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। तत्पश्चात वीरांगना अहिल्या बाई होल्कर की जीवन गाथा को नाटक के रूप में मंच पर दर्शाया गया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष एडवोकेट आशीष शेलार (सांस्कृतिक कार्य व माहिती तंत्रज्ञान तथा पालक मंत्री, मुंबई उपनगर, अमरजीत मिश्रा (पूर्व राज्य मंत्री), अकादमी के कार्याध्यक्ष शीतला प्रसाद दुबे, उपाध्यक्ष मंजू लोढ़ा, प्रियंका ठाकुर एवं अकादमी के सदस्यों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि यह पुस्तक ज्ञानमुद्रा प्रकाशन, भोपाल द्वारा प्रकाशित की गयी। रोचिका अरुण शर्मा के अब तक तीन बाल कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं।

पार्श्व-पद्मावती, मणिभद्र-घंटाकर्ण वीर का हुआ मंगल अनुष्ठान

आध्यात्मिक साधना के लिए आवश्यक सोपान है श्रद्धा और समर्पण : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुरुवार को चामराजपेट स्थित एसएलवी अपार्टमेंट में आयोजित पार्श्व-पद्मावती महापूजन और मणिभद्र-घंटाकर्ण वीर अनुष्ठान के अवसर पर श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन परंपरा में अनेक प्रचीन मंत्र, यंत्र, चित्र, मूर्तियों और पूजन-अनुष्ठानों की अमूल्य विरासत आज भी सुरक्षित है। विदेशी संग्रहालयों में भी विपुल मात्रा में ऐसी सामग्री पाई जाती है जो आधुनिक समाज के लिए अत्यंत उपयोगी है। मूर्तिपूजा के इतिहास में जो काम जैन परंपरा में हुआ है, शायद उतना कहीं नहीं हुआ। यहां तीर्थंकर अरिहंत और उनके उपासक देवी-देवताओं की भक्ति एवं साधना के लिए सर्वस्व समर्पित करने की गौरवशाली परंपरा रही है।

आचार्यश्री विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि श्रद्धा और समर्पण की भूमिका पर भक्ति शक्तिशाली बनती है। आध्यात्मिक साधना के लिए यह प्रथम सोपान है। ज्ञानयोग, तपयोग आदि कठिन है, जबकि भक्तियोग सबसे सरल है। भक्ति मनुष्य को आराध्य भगवान की समीपता का अनुभव कराती है। भक्ति से मन की एकाग्रता, सकारात्मक ऊर्जा और भावनात्मक वातावरण की निर्मिति होती है। इसीलिए आराध्य भगवान के विविध अनुष्ठान सदैव महत्वपूर्ण और प्रभावशाली माने जाते हैं। मंत्रों, मुद्राओं और उत्तम सामग्रियों के द्वारा दैविक शक्तियों को रिझाने का प्रयत्न होता है।

गुरुवार को पूजन-अनुष्ठान के लिए पीठिकाओं पर पार्श्वनाथ भगवान और पद्मावती की मरगज की बनी मूर्तियां और मणिभद्र वीर व घंटाकर्ण वीर के रजत के बने विशिष्ट यंत्रों की स्थापना की गई। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी और श्रमण परिवार ने सामूहिक मंत्रोच्चारपूर्वक महापूजन सम्पन्न कराया। अनुष्ठान के उत्तरार्द्ध में हवनकुंड में एक सौ आठ आहुतियां दी गईं। रक्षा ग्रंथिविधान, महाआरती और शांतिधारा के साथ अनुष्ठान की मंगल पूर्णाहुति हुई। इससे पूर्व प्रातः श्रीरामपुरम से पदयात्रा करते हुए संतजन चामराजपेट पहुंचे। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उनका भावपूर्ण स्वागत किया। महिलाओं ने मंगल कलशों को धारण कर जैनाचार्य का स्वागत किया।

अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव हेतु तैयारियों में जुटी श्रेयांश पारणा समिति

आचार्यश्री पार्श्वचन्द्र व डॉ पद्मचन्द्र के सान्निध्य में होंगे पारणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रेयांस पारणा समिति द्वारा अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव की व्यवस्थाओं हेतु समिति की सभा श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन समणी सेंटर में आयोजित की गई।

चेयरमैन रमेशचंद सियाल एवं सहचेयरमैन मीठालाल लोढ़ा ने जानकारी दी कि अक्षय तृतीया के अवसर पर 30 अप्रैल को वर्षीतप आराधकों के पारणा महोत्सव का आयोजन आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी, डॉ. पदमचंद्रमुनिजी व अन्य साधु समणियों के सान्निध्य में पैलेस ग्राउंड स्थित त्रिपुरावासिनी सभागार में होगा।

समिति के तत्वावधान में 160 स्थानीय वर्षीतप आराधकों सहित विभिन्न नगरों से कुल लगभग 250 तपस्वियों का पारणे होंगे।

जेके महावीरचंद चोरड़िया ने बताया कि श्रेयांश पारणा समिति, श्रेयांश पारणा सेवा समिति, जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन आदि को विभिन्न व्यवस्थाओं का आवंटन किया गया। सभा का समापन जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी के मंगलपाठ से हुआ।

'शब्द' का होली मिलन 23 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'शब्द' साहित्यिक संस्था, बेंगलूरु की मासिक रचनागोष्ठी आगामी 23 मार्च रविवार को अपराह्न में जैन विश्वविद्यालय के जे सी रोड स्थित स्कूल आफ साइंसेज के सेमिनार हॉल में आयोजित होगी। गोष्ठी में मुख्य अतिथि होंगे सुप्रसिद्ध कवि एवं कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ अजय कुमार सिंह। डा मंजु गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित रचनागोष्ठी-सह-होली मिलन समारोह का संचालन दीपक सोपोरी करेंगे। इस मौके पर डॉ मैथिली पी राव द्वारा अनूदित पुस्तक 'सपना जो न हुआ अपना' का लोकार्पण भी होगा। यह पुस्तक कर्नाटक के पूर्व डीजीपी डॉ डी वी गुरुप्रसाद की आत्मकथा 'कैयिगे बंद तुत्तु' का हिंदी अनुवाद है। इस मौके पर जीवनीकार डॉ डी वी गुरुप्रसाद भी उपस्थित रहेंगे।

'शब्द' के कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा ने बताया कि होली के महीने में आयोजित होने वाली इस रचनागोष्ठी को लेकर 'शब्द' के सदस्य काफी उत्साहित हैं। जानकारी के अनुसार रचनागोष्ठी के उपरांत रचनाकार फूलों की होली खेलेंगे।

निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर में 12 अप्रैल से होंगे तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान

12 अप्रैल को होगा हनुमान जन्मोत्सव व 14 को गर्भगृह की पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बन्नरघट्टा रोड स्थित बीटीएम लेआउट रांका कॉलोनी में सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में निर्मित हो रहे सालासर बालाजी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान 12 अप्रैल से प्रारंभ होंगे। मन्दिर समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका ने बताया कि मंदिर में 12 अप्रैल को हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में प्रातः % बजे से अन्नदान का कार्यक्रम होगा एवं सायं 4 बजे से भजन संध्या का आयोजन होगा। इस भजन संध्या में मशहूर भजन गायक लखा पन्ना गिल भजनों की प्रस्तुति देंगे। उपाध्यक्ष सतीश मित्तल ने बताया कि 13 अप्रैल को प्रातः % बजे से शिलापूजन व हवन होगा एवं सायं 4.30 बजे से सिद्धेश्वर गुरुदेव ब्रह्मर्षि गुरुवानन्द स्वामी के मुखारविंद से प्रवचन रूपी आशीर्वाद मिलेगा।

सचिव मानित सोमानी के अनुसार 14 अप्रैल को प्रातः 7 बजे गर्भगृह की पूजा ब्रह्मर्षि गुरुवानन्द स्वामी के कर कमलों द्वारा की जाएगी। मंदिर के निर्माण को लेकर दक्षिण प्रांत के हनुमानभक्तों में विशेष उत्साह छाया हुआ है। एसएनएन बिल्डर के निदेशक संजय शाह व उनकी पूरी टीम की देखरेख में मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है, वर्ष 202% तक मंदिर निर्माण पूर्ण होने का लक्ष्य रखा गया है। शहर के जाने माने वास्तुकार चेतन सोमपुरा के मार्ग दर्शन में मंदिर की कलाकृतियों को रूप दिया जा रहा है। इस तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान को लेकर बैठकों का दौर जारी है। बैठक में पदाधिकारियों ने तैयारियों की समीक्षा की और जानकारी दी। बैठक में विभिन्न उपसमितियों का गठन कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी गई।

'भारत को भारत ही बोलें' का अंग्रेज़ी वर्जन रिलीज हुआ

महेन्द्र मुणोत अभिनीत इस गीत को मिल रहा है अच्छा रेस्पांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत को भारत ही बोलने के लिए प्रेरित करने वाला 'भारत नाम सम्मान' गीत का अंग्रेजी भाषा में रूपांतरण कर फिर से फिल्माया गया है। भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार में जुटा मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा प्रायोजित इस गीत की लेखिका लता हया है। इस गीत को संगीतबद्ध दिलीप सेन ने किया है। पत्रकार विजय कुमार जैन के अभियान 'भारत को भारत ही बोलें' गीत का अंग्रेजी में अनुवाद नेहा अधिकारी एवं रवि जैन ने किया है। इस गीत में समीर विजयकुमार एवं खुशबू जैन ने आवाज दी और बीपी हरिहरन द्वारा निर्देशित भारत इज माइ नेम' का वीडियो आनंद सिनेमा बैनर तले फिल्माया गया है। इस गीत वीडिया में मुख्य भूमिका महेंद्र मुणोत ने निभाई है तथा लोगों को भारत को भारत कहने के लिए प्रेरित किया है। इस वीडियो में नृत्य परिकल्पना हर्ष, छायाकंन गगन आर एवं संकलन पुत्तू पाटिल ने किया है।

अंग्रेजी भाषा के इस गीत को बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों में फिल्माया गया, जिसमें सैकड़ों युवाओं एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय भूमिका निभाई है। महेन्द्र मुणोत ने बताया कि जिस तरह हिन्दी भाषा में इस गीत को खूब प्रसिद्धि मिली है, ठीक उसी प्रकार इस अंग्रेज़ी गीत को भी यूट्यूब चैनल में महेंद्र मुणोत भारत 2 पर देखा जा सकता है।

कुमारस्वामी के डीएनए में प्रतिशोध की राजनीति है : उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रतिशोध की राजनीति के आरोपों को खारिज करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि कुमारस्वामी अतिक्रमण मामले में सरकारी अधिकारियों ने अदालत के आदेशों का पालन किया है। विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, कुमारस्वामी के डीएनए में प्रतिशोध की राजनीति है। अधिकारियों ने केवल अदालत के आदेशों का पालन किया है। मामला एसआर हिरेमठ द्वारा दायर किया गया था। यह प्रतिशोध की राजनीति कैसे है? हमने कोई शिकायत दर्ज नहीं की है, यह हिरेमठ द्वारा दायर की गई थी। उन्होंने मेरे खिलाफ भी कई मामले दर्ज किए हैं। सरकारी अधिकारी अदालत के आदेशों के बाद अपना काम कर रहे हैं। इसमें कोई प्रतिशोध की भावना नहीं है।

उन्होंने कहा, कुमारस्वामी ने मैसूरु में मेरे बारे में बहुत कुछ कहा है। उनके पिता ने मेरे खिलाफ बहुत कुछ कहा है। उन्होंने मेरे, मेरी पत्नी, मेरी बहन और भाई के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। हम चुप हैं क्योंकि हमने उनके साथ गठबंधन सरकार बनाई है। यह उनके हित में है कि वे चुप रहें। क्या हमारे लोगों के लिए अच्छा करना गलत है? हमें पता है कि कुमारस्वामी ने केंद्र पर रामनगर जिले का नाम न बदलने का दबाव बनाया है। हमें संवैधानिक व्यवस्था में किसी से भीख नहीं मांगनी है। हमने केंद्र को पत्र लिखकर विस्तृत जानकारी मांगी है। दिल्ली में कुछ मंत्रियों ने ऐसा करने की साजिश रची है, लेकिन हम हार नहीं मानेंगे। हम जानते हैं कि जिले का नाम कैसे बदला जाता है और जिले का विकास कैसे किया जाता है। नाम बदलने की प्रक्रिया को रियल एस्टेट का खेल बताने की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम अपने लोगों के लिए अच्छा चाहते हैं। हमारे लोग बेंगलूरु जिले के हैं, क्या जिले के लोगों के लिए अच्छा चाहते हैं?

पार्टी हाईकमान से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, बेलगावी अधिवेशन की 100वीं वर्षगांठ पर हमने राज्य में 100 कांग्रेस पार्टी कार्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया है। शिलान्यास के लिए समय मांगने के लिए मैंने हाईकमान से मुलाकात की। हम रेसकोर्स रोड सहित तीन पार्टी कार्यालयों की आधारशिला रखेंगे।

पदाधिकारियों की बैठक में प्रदेश पार्टी नेतृत्व छोड़ने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इस पर पार्टी निर्णय लेगी, मैंने अपना कर्तव्य निभाया है। यहां कोई भी स्थायी नहीं है, मैं भी नहीं। मैं अपने कार्यकाल में कांग्रेस पार्टी कार्यालयों का निर्माण पूरा करना चाहता हूं। हम सभी पार्टी के निर्णय के प्रति प्रतिबद्ध हैं, चाहे वह 5 साल में हो या 10 साल में। मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है, मैं पार्टी के निर्णय का पालन करूंगा।

भाजपा विधायक मुनिरत्न द्वारा जान को खतरा बताए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं विधानसभा अध्यक्ष से बात करूंगा और उनका इलाज कराऊंगा।

साध्वीश्री धर्मप्रभा व स्नेहप्रभा का आगामी चातुर्मास चेन्नई के वड्पलनी में घोषित

हनुमंतनगर संघ के पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

बेंगलूरु.दक्षिण भारत। श्रमण संघीय सलाहकार सुकनमुनिजी की आज्ञा से साध्वीश्री धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी का आगामी चातुर्मास चेन्नई के जैन संघ कोडमबाकम वड़पलनी में घोषित हुआ। वडपलनी संघ के अध्यक्ष देवीलाल बरलोटा, मंत्री महावीरचंद भंडारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने साध्वीश्री से आगामी वर्षावास के लिए निवेदन किया। निवेदन को स्वीकार कर चातुर्मास की घोषणा की गई। चातुर्मास घोषणा के मौके पर शहर के हनुमन्तनगर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, मंत्री सुरेश धोका, पूर्व अध्यक्ष हुकमीचंद कांकरिया, संघ के उपाध्यक्ष हुक्मीचंद बाफना, पारसमल दुग्गड़, नेमीचंद दक, कोषाध्यक्ष धनराज मुथा, हेमंत लुंकड़, राजेश बाफना, ताराचंद चोपड़ा, मांगीलाल बोहरा आदि ने उपस्थित होकर साध्वीद्वय को चातुर्मास घोषित होने की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन हस्तीमल खटोड़ ने किया।

पत्रकार वार्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो मैसूरु के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, उपचेयरमैन भैरुलाल पितलिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, लेडीज़ विंग चेयरपर्सन मोना भटेवरा ने पत्रकार गोष्ठी में गुरुवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए रविवार को होने वाले कार्यक्रम 'ख़ुशियों के पल-संजय घोडावत के संग' व 9 अप्रैल को होने वाले विश्व नवकार महामंत्र दिवस के बारे में जानकारी दी। जीतो अल्पसंख्यक मैसूरु के संयोजक सुरेश जैन ने सभी को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com